धनबाद, मंगलवार
17 नवंबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 46
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ



ब्रीफ न्यूज

जय शाह दूसरी बार आईसीसी के चेयरमैन बने

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय खेल प्रशासक जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बने हैं। काउंसिल के बोर्ड और कमेटी की बैठकों में उन्हें निर्विरोध चुना गया। बाली में हुई बैठक में डायरेक्टर्स ने जय शाह को फिर चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव दिया था। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा। हम क्रिकेट के सबसे अहम और रोमांचक दौर में हैं। 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे लिए नए दर्शकों तक पहुंचने का बड़ा मौका है। हमारी जिम्मेदारी सिर्फ बड़े टूर्नामेंट का सफल आयोजन करना नहीं है। हमें क्रिकेट का भविष्य मजबूत बनाना है। इसके लिए खिलाड़ियों, फैंस, कमर्शियल पार्टनर्स और खेल से जुड़े सभी लोगों के हितों का ध्यान रखना होगा।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा

नई दिल्ली(एजेंसी) : बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसे ह्यअकवानह्ल नाम दिया जाएगा। चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने का खतरा है। मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों की आशंका को देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिन हुई बारिश के बाद सोमवार को सर्दी बढ़ गई। यूपी के 21 जिलों में कोहरा छाया हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ-बद्रीनाथ समेत चारों धाम में रविवार को बर्फबारी हुई।

एसएसबी की परीक्षा में नकल कराने की कोशिश करने वाले 14 संदिग्ध गिरफ्तार

जम्मू(एजेंसी) : खुफिया सूचना के आधार पर रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) की वित्त सहायक परीक्षा में नकल कराने की कोशिश करने वाले 14 संदिग्ध लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा के दौरान कदाचार की साजिश रच रहे कुछ लोगों के समूह के बारे में विश्वसनीय खुफिया सूचना मिलने पर जम्मू पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और संदिग्धों को पकड़ा।

इस अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बरामद कर लिया है। परीक्षा शुरू होने से पहले 14 संदिग्धों को कई परीक्षा केंद्रों के आसपास और उनसे सटे इलाकों से पकड़ा गया। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने वायरलेस रेडियो सेट समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद कर जब्त किए हैं। इनका इस्तेमाल परीक्षा हॉल में मौजूद अभ्यर्थियों को कथित तौर पर उत्तर उपलब्ध कराने के लिए किया जाना था। उन्होंने बताया कि डोमाना थाने में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। मामले की विस्तृत जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है।

जय शाह दूसरी बार आईसीसी के चेयरमैन बने

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारतीय खेल प्रशासक जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बने हैं। काउंसिल के बोर्ड और कमेटी की बैठकों में उन्हें निर्विरोध चुना गया। बाली में हुई बैठक में डायरेक्टर्स ने जय शाह को फिर चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव दिया था। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा। हम क्रिकेट के सबसे अहम और रोमांचक दौर में हैं। 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे लिए नए दर्शकों तक पहुंचने का बड़ा मौका है।

फिलीपींस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, हुआ भव्य स्वागत

मनीला, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ ह्यजयह्ल मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने वंदे मातरम् के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री के मनीला पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति और



हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रमुख आधार के रूप में आसियान के साथ भारत की साझेदारी की पुष्टि करती है।फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस में रहेंगे। 17 नवंबर को होने वाले दोनों शिखर सम्मेलनों में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।मनीला में आयोजित इन सम्मेलनों में आसियान के 11 सदस्य देशों के नेता और संवाद साझेदार देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता फिलीपींस के पास है और सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर कर रहे हैं। सम्मेलन का विषय 'नेविगेटिंग आवर फ्यूचर, टुगेदर' रखा गया है। 17 नवंबर को आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अलावा आसियान-अमेरिका विशेष शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं की द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी।

इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, व्यापार, संपर्क, आपूर्ति श्रृंखला, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और क्षेत्रीय विवादों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। म्यांमार में जारी संघर्ष और दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े अन्य विवाद भी विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं। भारत और आसियान के बीच व्यापार संतुलन तथा मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे।आसियान में इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। सदस्य देशों की ओर से फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस, ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, लाओस के प्रधानमंत्री सलेउमसाइ कोम्मासिथ, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल, तिमोर-लेस्ते के प्रधानमंत्री के राला शनाना गुस्माओ और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुंग सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं।

कंबोडिया का प्रतिनिधित्व उप

यमुना प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, सफाई के नाम पर खर्च करोड़ों का हिसाब मांगा

प्रदूषण बढ़ने पर संबंधित राज्यों और प्रशासन की तय होगी जवाबदेही, लापरवाही पर लगेगा जुमार्ना



नई दिल्ली (एजेंसी) : यमुना नदी में लगातार बढ़ते प्रदूषण और सफाई अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारी-भरकम बजट खर्च करने के बाद भी यदि नदी की हालत में सुधार नहीं हो रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार सरकारी विभागों और स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही तय करनी होगी।न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने यमुना की सफाई से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि नदी की समस्या को केवल दिल्ली तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यमुना एक साझा पारिस्थितिकी तंत्र है, इसलिए इसके किनारे बसे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी उठानी होगी। नदी में गिरने वाले 520 नालों की स्थिति भी प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दिल्ली में संचालित 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया। अदालत के अनुसार, इनमें से कोई भी संयंत्र केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सभी निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन नहीं कर रहा है। महज पांच एसटीपी ही बैक्टीरियोलॉजिकल मानकों पर खरे उतर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि यमुना का पानी किसी राज्य, केंद्रशासित प्रदेश या जिले के क्षेत्र से गुजरने के दौरान यदि अधिक प्रदूषित होता है, तो संबंधित प्रशासन को इस-ाके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। लापरवाही पाए जाने पर आर्थिक दंड भी लगाया जा सकेगा। इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मुअ-ावजे और जुमार्ने की गणना का स्पष्ट फॉमूर्ला तैयार करने को कहा गया है।अदालत ने पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के लिए सभी एसटीपी तथा कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट में एक महीने के भीतर छेड़छाड़ रहित स्मार्ट मीटर और जल गुणवत्ता मापने वाले सेंसर लगाने का आदेश दिया है। इन उपकरणों से प्राप्त आंकड़े लगातार ऑनलाइन उपलब्ध कराने होंगे,

श्री श्री विश्वविद्यालय का आइकॉनिक टावर भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शिक्षा का संगम : उपराष्ट्रपति

भुवनेश्वर, (एजेंसी) : । उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय में नवनिर्मित आइकॉनिक टावर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह टावर केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शैक्षणिक आकांक्षाओं के संगम का प्रतीक है। यह ज्ञान, परंपरा और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ जोड़ने वाली सोच का प्रतिनिधित्व करता है।

कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और श्री श्री विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं आजीवन अध्यक्ष गुरुदेव श्री श्री रविशंकर उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री श्री विश्वविद्यालय गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की दूरदर्शी सोच का साकार रूप है। उनकी शिक्षा संबंधी अवधारणा पारंपरिक अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, चेतना और करुणा के विकास पर भी केंद्रित है। पूर्वी ज्ञान परंपरा और पश्चिमी शिक्षा पद्धति



के समन्वय की भावना के साथ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2012 में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की थी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को अकादमिक सफलता दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति सार्थक योगदान देने वाले और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करना भी होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं को ह्यविश्व का सबसे खुशहाल परिसरह्ल बताए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता पूरी मानवता की आकांक्षा है और यह भारत की संस्कृति तथा परंपराओं में गहराई से समाहित है। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से इन संस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

ओडिशा की स्थापत्य परंपरा की सराहना

ओडिशा की समृद्ध स्थापत्य एवं सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य की वास्तुकला केवल भौतिक संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रही है। यहां के मंदिर कलात्मक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक ज्ञान, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक निरंतरता के जीवंत प्रतीक हैं।

उन्होंने पुरी के श्रीजगन्नाथ मंदिर, भुवनेश्वर के मंदिरों और कोणार्क मंदिर की भव्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि कलिंग स्थापत्य शैली भारतीय सभ्यता की असाधारण रचनात्मक प्रतिभा का प्रमाण है।

अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और कानपुर के बीच नई दैनिक ट्रेन कानपुर एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच नई दैनिक ट्रेन ह्यकानपुर एक्सप्रेसह्ल को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर कानपुर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी ने भी ट्रेन को रवाना किया। नई रेल सेवा से उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा तथा यात्रियों को कानपुर और दिल्ली के बीच आवागमन का एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन में आधुनिक एलएचबी के 22 डिब्बे होंगे। यह ट्रेन अपने मार्ग में फफूंद, इटावा, टूंडला, हाथरस, अलीगढ़, खुर्जा, दादरी और गाजियाबाद सहित कई प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेगी।इस ट्रेन से औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों, एनटीपीसी और गेल के पाता संयंत्र, इटावा के कृषि क्षेत्र तथा फिरोजाबाद के कांच उद्योग को लाभ मिलेगा। इसके अलावा हाथरस के हींग प्रसंस्करण, पीतल और कृषि आधारित उद्योगों, अलीगढ़ के ताला उद्योग और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा खुर्जा के



सिरेमिक एवं मिट्टी के बर्तन उद्योग को भी बेहतर रेल संपर्क मिलेगा।

ट्रेन दादरी के औद्योगिक एवं माल परिवहन केंद्र और एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक शहर गाजियाबाद को जोड़ते हुए आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इससे कारोबारियों, विद्यार्थियों, श्रमिकों और अन्य यात्रियों को कानपुर तथा दिल्ली के बीच सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

इस मौके पर वैष्णव ने कानपुर के लोगों को नई ट्रेन सेवा शुरू होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर के लोगों को इस नई रेल सेवा के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

रेल मंत्री ने कानपुर में आगामी रेल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अनवरगंज-मंधना के बीच 16 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रेल ट्रैक बनने से रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम की दशकों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा। इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है और आवश्यक मंजूरियां भी मिल गई हैं। इसका निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

उन्होंने प्रस्तावित बुलेट ट्रेन उत्तर कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानपुर के विकास में नया अध्याय जोड़ेगा। प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली, आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ते हुए पटना, सिलीगुड़ी और गुवाहाटी तक जाएगा। इसके शुरू होने पर दिल्ली से कानपुर की यात्रा लगभग एक घंटा 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। वहीं लखनऊ से कानपुर की दूरी लगभग 27 मिनट और कानपुर से प्रयागराज की दूरी करीब एक घंटा 15 मिनट में तय की जा सकेगी।वैष्णव ने कहा कि कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है। आने वाले समय में शहर में रेलवे के बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी।

इस अवसर पर अवस्थी ने कहा कि कानपुर का खोया गौरव वापस दिलाने का संकल्प अब धरातल पर आकार ले रहा है। कानपुर में बुलेट ट्रेन का ठहराव घोषित होने से शहर के लोगों में खुशी है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने अनवरगंज-मंधना रेलखंड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की कानपुरवासियों की लंबे समय से लंबित मांग को भी मंजूरी दी है, जिसे वर्ष 2017-18 से उठाया जा रहा था। उन्होंने कानपुर सेंट्रल स्टेशन के पुनर्विकास और शहर के नाम पर नई ट्रेन शुरू होने पर भी प्रसन्नता जताई।

वैश्विक मंच पर चमका वडनगर, म्यूजियम को मिला रेड डॉट अवॉर्ड

जर्मनी के बर्लिन में बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवॉर्ड 2026 से सम्मानित

यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का पहला और एकमात्र म्यूजियम बना ह्यअनंत अनादि वडनगर

अहमदाबाद (एजेंसी) : उत्तरी गुजरात के ऐतिहासिक शहर वडनगर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां स्थित ह्यअनंत अनादि वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंशियल म्यूजियमह्ल को जर्मनी के बर्लिन में प्रतिष्ठित ह्यरेड डॉट : बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवॉर्ड 2026ह्ल से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के साथ ही वडनगर का यह म्यूजियम भारत का पहला और एकमात्र म्यूजियम बन गया है, जिसे यह विशिष्ट उपलब्धि मिली है। इससे गुजरात की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान मिली है।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता की सदियों पुरानी विरासत अब वैश्विक डिजाइन के मंच पर अपनी पहचान बना रही है। यह उपलब्धि गुजरात के इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि वडनगर इतिहास रच रहा है और इस

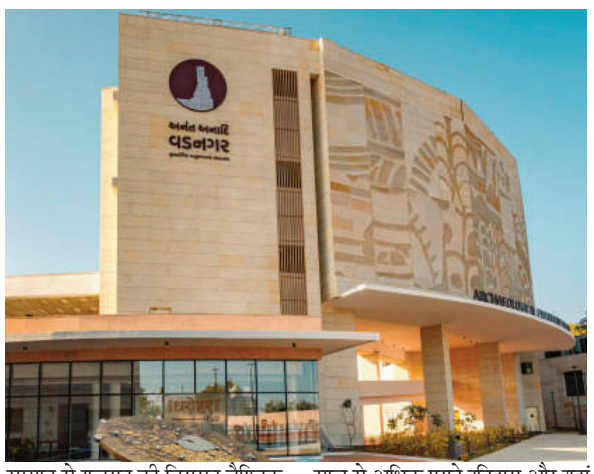

सम्मान से गुजरात की विरासत वैश्विक डिजाइन मानचित्र पर पहुंच गई है।

ह्यअनंत अनादि वडनगरह्ल भारत का पहला एक्सपीरियंशियल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी सामान्य प्रदर्शनी स्थल की तरह नहीं, बल्कि वास्तविक पुरातात्विक उत्खनन स्थल पर विकसित किया गया है। यह म्यूजियम वडनगर के 2,500 साल से अधिक पुराने इतिहास और यहां निरंतर मानव बसावट की समृद्ध परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है।

जनवरी 2025 में आम लोगों के लिए खोले गए इस म्यूजियम का क्षेत्रफल करीब 12,500 वर्गमीटर है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया था।

म्यूजियम में नौ अलग-अलग थीम आधारित गैलरी बनाई गई हैं। इनमें पुरातात्विक उत्खनन से मिले अवशेषों, ऐतिहासिक कलाकृतियों और डिजिटल प्रस्तुतियों के जरिए वडनगर की सभ्यता के विभिन्न दौरों को दर्शाया गया है। यहां आधुनिक डिजिटल तकनीक और इंटरएक्टिव स्टोरीटेलिंग के माध्यम से इतिहास को रोचक अनुभव में बदला गया है।

इस म्यूजियम की सबसे अनूठी विशेषता इसका वास्तविक पुरातात्विक उत्खनन स्थल है। यहां जमीन से करीब 16 से 18 मीटर नीचे तक मिले प्राचीन अवशेषों को संरक्षित कर प्रदर्शित किया गया है। पर्यटक इन अवशेषों को देखकर हजारों साल पुराने शहर के विकास, रहन-सहन और तत्कालीन जीवनशैली को करीब से समझ सकते हैं।

रेड डॉट अवॉर्ड 2026 मिलने के बाद वडनगर का यह म्यूजियम अब केवल भारत की ऐतिहासिक धरोहर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गुजरात की सांस्कृतिक पहचान का नया प्रतीक बन गया है।

सोनिया गांधी की किताब के विमोचन में पहुंचे भाजपा नेता अमरिंदर सिंह, राजनीतिक हलकों में हलचल

कांग्रेस और विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री की उपस्थिति बनी चर्चा का विषय



नई दिल्ली (एजेंसी) : कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा ह्यबिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लवह्ल के विमोचन समारोह में सोमवार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने राजनीतिक चचाओं को हवा दे दी। दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा चुके अमरिंदर सिंह का इस समारोह में पहुंचना खास चर्चा का विषय रहा।

कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी समेत कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं।

गौरतलब है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने वर्ष 2021 में कांग्रेस से अलग होकर अपनी राजनीतिक राह बदल ली थी। बाद में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। ऐसे में सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन समारोह में उनकी उपस्थिति को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, अमरिंदर सिंह के कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे किसी विशेष राजनीतिक उद्देश्य या संदेश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मौजूदा माहौल में उनकी मौजूदगी ने सियासी गलियारों में नई चचाओं को जन्म दे दिया है।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों की कथित तस्करी के आरोपी अरुण राम को हाईकोर्ट से जमानत, निचली अदालत का आदेश निरस्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने बच्चों की कथित तस्करी के मामले में आरोपी अरुण राम को जमानत दे दी है। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), रांची द्वारा 2 जुलाई 2026 को पारित उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

मामला एएचटीयू थाना कांड संख्या 06/2026 से संबंधित है। बिहार के लखीसराय जिले के मानपुर गांव निवासी 38 वर्षीय अरुण राम को धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस में तीन बच्चों के साथ पकड़ा गया था। उन पर बच्चों की कथित तस्करी में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। आरोपी 9 मार्च 2026 से न्यायिक हिरासत में थे।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि अरुण राम बच्चों को उनके अभिभावकों की सहमति से काम के सिलसिले में तमिलनाडु के तिरुपुर ले जा रहे थे। सुनवाई के दौरान लोक अभियोजक ने केस डायरी का अवलोकन करने के बाद स्वीकार किया कि बच्चों के अभिभावकों ने उन्हें ले जाने की सहमति दी थी। इस संबंध में केस डायरी के पैरा 46, 47 और 49 का भी हवाला दिया गया।

अदालत ने मामले के उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए पाया कि बच्चों के अभिभावकों के बयान, आरोपी की लंबे समय से चली आ रही हिरासत और उसके खिलाफ किसी पूर्व आपराधिक इतिहास का नहीं होना जमानत के पक्ष में महत्वपूर्ण तथ्य हैं।

इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने अरुण राम की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। अदालत ने निर्देश दिया कि आरोपी को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदार प्रस्तुत करने होंगे।

इसके अलावा आरोपी को मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक निचली अदालत में प्रत्येक निर्धारित तारीख पर उपस्थित रहना होगा। किसी उचित कारण के बिना अदालत में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी। जमानत मिलने के बावजूद मामले का ट्रायल जारी रहेगा और आरोपों पर अंतिम निर्णय साक्ष्यों के आधार पर होगा।

छठ मनाने बिहार गए गृह सचिव के अंगरक्षक के घर चोरी, ताला तोड़कर घुसे चोर



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित अमेठिया नगर में चोरों ने राज्य की गृह सचिव वंदना दादेल के अंगरक्षक अजय कुमार यादव के बंद घर को निशाना बनाया। परिवार के साथ छठ पर्व मनाने बिहार के मुंगेर गए अंगरक्षक के घर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार हवलदार अजय कुमार यादव अमेठिया नगर स्थित अपने आवास में ताला लगाकर पूरे परिवार के साथ छठ पर्व मनाने मुंगेर गए हुए थे। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने उनके घर का दरवाजा खुला और ताला टूटा हुआ देखा। इसके बाद उन्होंने तत्काल अजय कुमार यादव और नामकुम थाना पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घर के अंदर जाकर जांच की। इस दौरान कमरों में सामान बिखरा हुआ मिला। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने नकदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ किया है। हालांकि, चोरी गए सामान की वास्तविक जानकारी गृहस्वामी के रांची लौटने के बाद ही मिल सकेगी।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। इसके आधार पर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल इस मामले में लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। गृहस्वामी के रांची पहुंचने के बाद आवेदन देने की बात कही गई है। इसके बाद चोरी गए सामान और नुकसान का पूरा आकलन हो सकेगा।

छठ घाट पर कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को समर्पित पेंटिंग बनी आकर्षण का केंद्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम । छठ महापर्व के अवसर पर मानगो के युवा कलाकार विशेंद्र नारायण सिंह की ओर से स्वर्णरेखा घाट पर बनाई गई विशेष पेंटिंग श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हर वर्ष अपनी कलाकृतियों के माध्यम से सामाजिक और राष्ट्रीय संदेश देने वाले कलाकार ने इस बार अपनी पेंटिंग भारतीय विमानन जगत के साहसी कैप्टन स्मित मच्छार को समर्पित की है।

कलाकार ने इस कलाकृति के जरिए वीरता, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता के प्रति समर्पण का संदेश देने का प्रयास किया है। पेंटिंग में छठी मैया की आराधना करती व्रती महिलाएं, भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा और कैप्टन स्मित मच्छार के अदम्य साहस को विशेष रूप से चित्रित किया गया है।

कलाकार के अनुसार, हाल ही में दुबई से इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की एक उड़ान में हमले के दौरान सह-पायलट के गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित मच्छार ने अद्भुत साहस और सूझबूझ का परिचय दिया था। उनके प्रयासों से विमान के कॉकपिट का दरवाजा खुल सका और यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को हमलावर पर काबू पाने में मदद मिली। इस घटना में विमान में सवार 174 लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कैप्टन के इस साहसिक कदम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सराहना की थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके साहस और कर्तव्यनिष्ठा की चर्चा हुई।

विशेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि उनकी यह कलाकृति केवल छठ महापर्व की धार्मिक आस्था और सूर्य उपासना का प्रतीक नहीं है, बल्कि उन वीर व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम भी है, जो अपने साहस और कर्तव्यपरायणता से मानवता की रक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष अपनी कला के माध्यम से देशवासियों को एक नया संदेश देने का प्रयास करते हैं। इस वर्ष कैप्टन स्मित मच्छार को समर्पित पेंटिंग के जरिए उन्हें दिल से सलाम किया है। उनका साहस देशवासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

26 नवंबर को कांग्रेस निकालेगी संविधान रक्षा मार्च, केशव महतो कमलेश करेंगे नेतृत्व

18 नवंबर से जिलों में फिर शुरू होंगे चौपाल कार्यक्रम, मतदाता सूची से नाम कटने और नए वोटरों को जोड़ने पर रहेगा जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से विशाल संविधान रक्षा मार्च निकाला जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में आयोजित इस मार्च में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसका निर्णय कांग्रेस भवन में आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' निगरानी समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक में निगरानी समिति के संयोजक अनादि ब्रह्म, लाल किशोर नाथ सहदेव, डॉ. एम. तौसीफ, आहार पप्पू और जितेंद्र द्विवेदी सहित अन्य नेता उपस्थित थे। बैठक में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने, नए मतदाताओं का पंजीकरण कराने



और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी जिलों में संचालित चौपाल कार्यक्रम को 18 नवंबर से फिर तेज किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक चौपाल में कम से कम 10 ऐसे मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जो जीवित हैं और वर्ष 2003 से लगातार मतदान करते आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। कांग्रेस इन मतदाताओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी और उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में शामिल कराने की पहल करेगी।

इसके अलावा नए मतदाताओं को सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का भी फैसला लिया गया। अक्टूबर 2026 में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को फॉर्म-6 भरने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण करा सकें।

बैठक में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से पार्टी चौपाल और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगी तथा मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाएगी।

अवैध संबंध के शक में पति ने पत्नी और युवक को टांगी से काट डाला, दो बच्चों के सिर से उठा मां का साया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा । जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के भंडरा गांव में रविवार देर रात कथित अवैध संबंध के शक में दोहरी हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पत्नी और एक युवक के साथ होने से नाराज पति ने कथित तौर पर टांगी से हमला कर दोनों की हत्या कर दी। हमले में महिला का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि युवक के चेहरे पर भी गंभीर वार किए गए। मृतकों की पहचान पूजा देवी (31) और रोहित कुमार (32), निवासी पटना (बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी पति सोनू लहरी (38) को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार सोनू लहरी और उसकी पत्नी के बीच कथित अवैध संबंध को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसको लेकर परिवार में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया जाता है कि रविवार रात करीब 11 बजे सोनू अपने दोनों बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सो रहा था, जबकि उसकी पत्नी पूजा देवी दूसरे कमरे में रोहित कुमार के साथ मौजूद थी। इसी दौरान दोनों को कथित रूप से आपत्तिजनक स्थिति में देखकर सोनू आक्रोशित हो गया और टांगी से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

इस हृदयविदारक घटना का सबसे दुखद पहलू परिवार के दो मासूम बच्चे हैं, जिनकी उम्र करीब सात और दस वर्ष बताई जा रही है। मां की हत्या और पिता की गिरफ्तारी के बाद दोनों बच्चों के सामने गंभीर पारिवारिक संकट खड़ा हो गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है।

वारदात की सूचना मिलते ही भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता, एसआई रविकांत कुमार, एसआई रामदेव राय और एएसआई शाकिर अली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए और दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की।पुलिस ने आरोपी सोनू लहरी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हत्या के पीछे की वास्तविक वजह और घटना से जुड़ी अन्य परिस्थितियों का खुलासा पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

सरायकेला में कृत्रिम छठ घाटों पर उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला।लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। जिले के विभिन्न नदी घाटों और कृत्रिम तालाबों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान छठ गीतों और भगवान सूर्य के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।बदलते शहरी परिवेश के बीच इस बार कृत्रिम छठ घाटों का बढ़ता चलन भी आकर्षण का केंद्र रहा। नदियों और प्राकृतिक जलस्रोतों में बढ़ते प्रदूषण, पारंपरिक घाटों पर अत्यधिक भीड़ और स्वच्छ जल की उपलब्धता को देखते हुए लोग अब वैकल्पिक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। आदित्यपुर के गायत्री नगर में स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर बेहद खूबसूरत कृत्रिम छठ घाट का निर्माण कराया। यहां स्वच्छ जल की व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान सूर्य की आराधना की।मजिस्ट्रेट प्रकाश हेंब्रम ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से छोटे-बड़े सभी छठ घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्धारित संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक निगरानी में जिलेभर में छठ महापर्व शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।वहीं, स्थानीय समिति के सदस्य सूरज जाने ने बताया कि गायत्री नगर में लोगों ने आपसी सहयोग और श्रमदान से कृत्रिम घाट तैयार किया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाट पर स्वच्छ जल की व्यवस्था की गई थी, ताकि व्रती स्वच्छ वातावरण में छठ पूजा कर सकें।उन्होंने कहा कि कृत्रिम घाटों का बढ़ता चलन छठ की मूल परंपरा में बदलाव नहीं, बल्कि शहरी जरूरतों के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार है। पूजा की पारंपरिक मान्यताएं, सूर्य उपासना, निर्जला व्रत, सूप-दउरा और अर्घ्य देने की परंपरा आज भी बरकरार है। केवल पूजा के लिए स्वच्छ और सुरक्षित जल उपलब्ध कराने के तरीकों में बदलाव आ रहा है।

कैशबैक और सरकारी योजनाओं के नाम पर ठगी करने वाले चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

फर्जी बैंक अधिकारी और कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर लोगों को लगाते थे चूना, छह मोबाइल और सात सिम बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर । साइबर ठगी के खिलाफ देवघर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर फर्जी कस्टमर केयर अधिकारी और बैंककर्मी बनकर लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस ने इनके कब्जे से छह मोबाइल फोन और सात सिम कार्ड जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में इन उपकरणों के जरिए साइबर अपराध को अंजाम दिए जाने के संकेत मिले हैं।

एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर डीएसपी कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 15 नवंबर को मोहनपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, आरोपी



फ्लिपकार्ट, अमेजन पे, गूगल और एयरटेल पेमेंट बैंक के फर्जी अधिकारी अथवा कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करते थे। वे कैशबैक का लालच देने के साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, बिजली बिल भुगतान और आरटीओ चालान के नाम पर लोगों को झांसे में लेते थे। इसके बाद एपीके फाइल भेजकर मोबाइल फोन हैक करने और निजी व बैंकिंग जानकारी हासिल कर ठगी करने का आरोप है।

आरोपियों पर एयरटेल पेमेंट बैंक के फर्जी प्रतिनिधि बनकर उपभोक्ताओं के बैंक कार्ड बंद कराने और उन्हें दोबारा चालू कराने का झांसा देकर एयरटेल पेमेंट ऐप के माध्यम से धोखाधड़ी करने का भी आरोप है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिट्टू कुमार (24), रोशन कुमार (19), तकबुल अंसारी (30) और राजाराम कुमार (21) के रूप में हुई है। चारों देवघर जिले के निवासी बताए गए हैं।

पुलिस की तकनीकी जांच में जब्त मोबाइल नंबरों और एमएमआई नंबरों के आधार पर विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें भी सामने आई हैं। पुलिस अब आरोपियों के साइबर नेटवर्क, बैंक खातों और दूसरे राज्यों में दर्ज मामलों से उनके संबंधों की पड़ताल कर रही है।

खूंटी में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने किया पारण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी । लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हो गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

खूंटी शहर के राजा तालाब, साहू तालाब, चौधरी तालाब और तजना नदी घाट सहित विभिन्न जलाशयों में हजारों छठव्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं मुरहू, तोरपा, कर्रा समेत जिले के सभी प्रखंडों में भी नदी, तालाब और डैम के घाटों पर छठ पूजा पूरे विधि-विधान के साथ की गई।सुबह होते ही छठ घाट छठी मैया के पारंपरिक गीतों से गूंज उठे। व्रतियों के परिजन सूप और दौरा में सजाए गए ठेकुआ, फल, नारियल सहित अन्य पूजन सामग्री लेकर घाट पहुंचे।



सूर्योदय के साथ ही व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने पारण कर 36 घंटे के निर्जला उपवास का समापन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच छठ महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान घाटों पर उत्साह, आस्था और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा।

महापर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल और रोशनी की व्यवस्था भी की गई थी। चार दिनों तक चले इस महापर्व का समापन श्रद्धा, अनुशासन और भक्तिमय वातावरण के बीच हुआ।

पीएलएफआई के नाम पर लेवी की मांग, ग्रेडर मशीन में आग लगाने का प्रयास; पुलिस सुरक्षा में फिर शुरू हुआ सड़क निर्माण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम । जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत घाटबाजार घाटी में सड़क निर्माण कार्य के दौरान उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के नाम पर लेवी मांगने और निर्माण में लगी ग्रेडर मशीन को आग लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। बाइक पर सवार तीन नकाबपोश युवकों ने हथियार का भय दिखाकर ग्रेडर चालक को लेवी की पर्ची थमाई और दो दिनों के भीतर निर्धारित रकम पहुंचाने की धमकी दी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, सोमवार को पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क निर्माण कार्य दोबारा शुरू करा दिया गया।

जानकारी के अनुसार कोलेबिरा से रायकेरा (मनोहरपुर) तक एनएच-320जी सड़क का निर्माण रांची की संवेदक कंपनी बीकेएस इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से कराया जा रहा है। इसी परियोजना के तहत आनंदपुर थाना क्षेत्र के घाटबाजार घाटी में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान लाल-काली पल्सर बाइक पर सवार तीन नकाबपोश युवक वहां पहुंचे और ग्रेडर चालक अशोक चौधरी को हथियार दिखाकर धमकाया। आरोपियों ने उसे पीएलएफआई के नाम से लिखी लेवी की पर्ची सौंपी और दो दिनों के अंदर रकम पहुंचाने का निर्देश दिया। मांग पूरी नहीं होने पर निर्माण कार्य बंद कराने की चेतावनी भी दी।

बताया जाता है कि लेवी की पर्ची देने के बाद आरोपियों ने ग्रेडर मशीन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि, उनका मंसूबा सफल नहीं हुआ और मशीन सुरक्षित बच गई। इसके बाद तीनों युवक मौके से फरार हो गए। घटना के बाद निर्माण कार्य में लगे मजदूरों, कर्मचारियों और मशीन ऑपरेटरों में भय का माहौल बन गया।

डायन-बिसाही के आरोप में महिला की हत्या, पति-पत्नी गिरफ्तार; अन्य आरोपियों की तलाश जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह । जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बासाबुदा गांव में डायन होने का आरोप लगाकर 59 वर्षीय महिला की हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव के ही शिवलाल मुर्मू (48) और उसकी पत्नी बड़की देवी (43) के रूप में हुई है। इस मामले में मृतका के देवर मोतीलाल मुर्मू समेत परिवार के अन्य सदस्यों को भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है।मामले का खुलासा करते हुए सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने मुफ्फसिल थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि घटना 14 नवंबर की सुबह करीब छह से सात बजे के बीच हुई थी। महिला पर डायन होने का आरोप लगाकर हमला किया गया था। आरोप है कि लाठी-डंडे और टांगी से वार कर उसकी हत्या कर दी गई।

घटना के बाद मृतका के पति लखीराम मुर्मू के फर्दबयान पर मुफ्फसिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने मानवीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

रघुवर दास ने परिवार के साथ सूर्य मंदिर तालाब में दिया अर्घ्य, सुख-शांति की कामना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम । लौह नगरी जमशेदपुर में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्वक संपन्न हो गया। शहर के विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। स्वर्णरेखा नदी, दोमुहानी, खरकई नदी सहित विभिन्न तालाबों में हजारों छठव्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के तालाब में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने पूरे परिवार के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। उनके साथ पत्नी रुक्मणी देवी, पुत्र ललित दास और पुत्रवधू सह जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू भी मौजूद रहीं। सभी ने भगवान भास्कर से देश और प्रदेश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न घाटों पर सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की ओर से व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए सेवा शिविर लगाए गए थे।

खटीक समाज की ओर से नदी घाटों से पूजा संपन्न कर घर लौटने वाले व्रतियों के लिए सुबह से ही खीर, चना, शरबत और चाय की निःशुल्क व्यवस्था की गई। इस सेवा शिविर से हजारों लोगों ने लाभ उठाया।

पूरे आयोजन में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह चेंजिंग रूम बनाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए थे। भक्तिमय माहौल और सामाजिक सहभागिता के बीच जमशेदपुर में छठ महापर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

राज्य स्थापना दिवस पर आवास योजना के लाभुकों को मिला पक्का मकान, कराया गया गृह प्रवेश



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । झारखंड राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर धनबाद जिला प्रशासन की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों की पंचायतों में आवास योजना के लाभुकों के लिए विशेष गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को उनके नवनिर्मित पक्के मकानों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गृह प्रवेश कराया गया।

पंचायत स्तर पर आयोजित समारोहों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड समन्वयकों और बड़ी संख्या में लाभुकों ने भाग लिया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर नए मकानों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लाभुकों को आवास की प्रतीकात्मक चाबी और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान मिलना उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और खुशहाली की नई शुरूआत है। आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित छत उपलब्ध कराना है। प्रशासन का प्रयास है कि योजना के तहत शेष पात्र लाभुकों के आवास निर्माण का कार्य भी जल्द पूरा कर उन्हें योजना का लाभ दिया जाए।

लंबे समय से अपने पक्के घर का सपना संजोए लाभुकों को जब नए मकान में प्रवेश का अवसर मिला तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। लाभुकों एवं उनके परिजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने इस सौगात के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

99 कोयलांचल सिटी में भक्तिभाव से मना छठ महापर्व, पहली बार स्थापित हुई भगवान सूर्य की भव्य प्रतिमा



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : 99 कोयलांचल सिटी में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चार दिवसीय महापर्व के दौरान सोसाइटी की छठव्रती महिलाओं, श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना की। लोहंडा-खरना से लेकर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने तक पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

छठ महापर्व के आयोजन को लेकर समिति की ओर से व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इस वर्ष आयोजन का प्रमुख आकर्षण 99 कोयलांचल सिटी में पहली बार भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा की स्थापना रही। प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण और आस्था का केंद्र बनी रही।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी में तीन स्थानों पर छठ घाट तैयार किए गए थे। इनमें 99 कोयलांचल सिटी मंदिर घाट, पार्क घाट और नावाडीह तालाब घाट शामिल थे। तीनों स्थानों पर पूजा-अर्चना और अर्घ्य अर्पित करने के लिए बेहतर व्यवस्था की गई थी।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में पीयूष चक्रवर्ती, एके राय और त्रिभंगो त्रिवेदी का विशेष योगदान रहा। सोसाइटी के सदस्यों एवं नगरवासियों ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए आभार जताया। स्थानीय निवासियों के सामूहिक सहयोग, समर्पण और सहभागिता से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

अंत में आयोजन समिति ने सभी छठव्रती महिलाओं, श्रद्धालुओं और सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भगवान सूर्य और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

राज्य स्थापना दिवस पर सभी प्रखंडों में निकली स्वच्छता जागरूकता दौड़, छठ घाटों पर चला सफाई अभियान



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर धनबाद जिले के सभी प्रखंडों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आम लोगों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया।

दौड़ के माध्यम से नागरिकों को अपने घर, आसपास के क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने तथा स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

वहीं, लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए जिले के विभिन्न छठ घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान किया। सभी ने मिलकर छठ घाटों के साथ-साथ वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की भी व्यापक साफ-सफाई की।

जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य झारखंड स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर को जनभागीदारी और स्वच्छता के संकल्प से जोड़ना है। साथ ही आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना भी अभियान का प्रमुख लक्ष्य है।

छठ घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी सुख-समृद्धि





ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सूर्य उपासना और लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ बाघमारा क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व को लेकर बाघमारा के प्रमुख घाटों डुमरा सायरबांध, भीमकनाली चौधरी बांध और माटीगढ़ा डैम को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। तीनों प्रमुख घाटों पर भगवान सूर्य की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। इन प्रतिमाओं का अनावरण एवं घाटों का विधिवत उद्घाटन बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया।

शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में भी छठ की विशेष रौनक देखने को मिली। केशरगढ़ जमुनिया नदी घाट, नदखुरकी, डुमरा राजा तालाब, बड़ा पांडेयड-ीह पिपरा बांध, तिलैया बांध और बसवरिया बांध समेत विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। पूजा समितियों की ओर से साफ-सफाई, रोशनी और अन्य जरूरी सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई थी, जिसकी लोगों ने सराहना की। पर्व के दौरान समाजसेवियों और स्वयंसेवी संगठनों ने सेवा भावना का परिचय देते हुए व्रतियों की सहायता की। समाजसेवी कारू यादव, बिनोद कुमार, झामुमो के केंद्रीय सदस्य कामेश्वर कुमार महथा उर्फ डब्लू महथा, पिंटू महथा और उदय महथा की ओर से विभिन्न छठ घाटों पर फल एवं अर्घ्य के लिए गाय का दूध निःशुल्क वितरित किया गया। इसके अलावा पूजा समितियों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। खरना के अवसर पर समाजसेवी कारू यादव ने श्रद्धालुओं के बीच खीर का महाप्रसाद वितरित किया था।

वहीं, बाघमारा लायंस क्लब एवं लायंस क्लब सेंटेनियल की ओर से डुमरा सायरबांध घाट पर सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच फल-फूल, गाय का दूध, ओआरएस, जूस और पेयजल की बोतलें वितरित की गईं।

महापर्व के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाघमारा पुलिस के जवान सभी प्रमुख छठ घाटों पर तैनात रहे। पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल में पूजा संपन्न हुई। इस अवसर पर शशि महथा, राजमाता सुमेधा राजलक्ष्मी, केसी पाल, हिमांशु जमुआर, शशिकांत शरण, सुनील कुमार सिंह, मिथलेश कुमार और डिलू महतो सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

अनुवा अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स द्वारा एक दिवसीय कला शिविर वाइड कैनवास का भव्य आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद शहर की प्रतिष्ठित कला संस्था, अनुवा अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स, बैंक मोड़, धनबाद द्वारा छठ पूजा एवं 26वें झारखण्ड स्थापना दिवस के पावन अवसर पर एक दिवसीय विशेष कला शिविर ₹वाइड कैनवास₹ का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया।

यह अकादमी अपनी उच्च स्तरीय गुणवत्तापूर्ण कला शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन 9001:2015 प्रमाणपत्र से सम्मानित है और लगातार कला के क्षेत्र में बच्चों को एक नया मंच प्रदान कर रही है।

इस एक दिवसीय कला शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में झारखण्ड की संस्कृति, परंपरा एवं छठ पूजा के महत्व को कला के माध्यम से जागृत करना था।

शिविर में अकादमी के कुल 15 प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया। इनमें कक्षा 1 के नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर



कक्षा 5 तक के वरिष्ठ छात्र शामिल थे। सभी छात्रों ने अपनी-अपनी कल्पना को कैनवास पर उतारते हुए कुल 15 अद्भुत कलाकृतियों का सृजन किया। कला की विविधता इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता रही। छात्रों ने केवल एक ही माध्यम तक सीमित न रहकर, विभिन्न रंगों और तकनीकों का अद्भुत प्रयोग किया।

किसी ने वॉटर कलर की कोमलता से छठ पूजा में सूर्यदेव को अर्घ्य देते हुए दृश्य को उकेरा, तो किसी ने एक्रेलिक रंगों की चमक से झारखण्ड के स्थापना दिवस को कैनवास पर जीवंत कर दिया। अकादमी के निदेशक डॉ. विक्टर घोष ने स्वयं कैनवास पर ₹जय झारखण्ड, जय जोहार₹ थीम पर एक विशेष चित्र बनाकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती अनुवा घोष ने इस अवसर पर कहाः ₹हमारा प्रयास है कि बच्चे अपनी जड़ों से जुड़े रहें। कला केवल चित्रकारी नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति को समझने और व्यक्त करने का सबसे सुंदर माध्यम है। बच्चों ने आज यह साबित कर दिया।₹

अकादमी के निदेशक एवं संस्थापक डॉ. विक्टर घोष ने अपने संदेश में कहाः ₹वाइड कैनवास सिर्फ एक शिविर नहीं, बल्कि बच्चों की सोच को विस्तार देने का एक मंच है। छठ जैसे महापर्व और झारखण्ड के गौरव को जब बच्चे रंगों में ढालते हैं, तो वह कला नहीं, संस्कार बन जाता है।

इस कला शिविर में भाग लेने वाले छात्रों में भी काफी उत्साह देखने को मिला।

छात्रों की प्रतिक्रियाः छात्रों ने कहा कि उन्हें इस शिविर में बहुत कुछ नया सीखने को मिला और अपनी संस्कृति पर चित्र बनाकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

लोहापट्टी पंचायत सचिवालय में श्रद्धापूर्वक मनी भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती



महुदा (ईएमएस)। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती रविवार को पंचायत सचिवालय लोहापट्टी में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बाघमारा अंचल सचिव रामेश्वर महतो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को खूंटी जिले के उलिहातू गांव में एक साधारण परिवार में हुआ था। वे अदम्य साहस, क्रांतिकारी विचारों और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक थे।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक उलगुलान ने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी थी। उन्होंने आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन पर अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया तथा अंग्रेजी शासन के खिलाफ जनसमुदाय को एकजुट किया। उनका संघर्ष और बलिदान आज भी देशवासियों को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

रामेश्वर महतो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में श्रमिक मित्र सहदेव महतो, प्रभाकर महतो, पुनीत महतो, आशुतोष महतो, विनोद महतो, प्रेमचंद महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बकाया मानदेय को लेकर ऊर्जा मित्रों का आंदोलन तेज, 18 नवंबर को अर्धनग्न प्रदर्शन की चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । बकाया मानदेय के भुगतान और बिजली बिलिंग में कथित अनियमितताओं को लेकर झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने प्रेसवार्ता कर आंदोलन की रूपरेखा की घोषणा की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 17 नवंबर तक मांगों पर सहमति नहीं बनती है तो 18 नवंबर को ऊर्जा मित्र अर्धनग्न प्रदर्शन करेंगे।

संघ के घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 18 नवंबर को विद्युत अधीक्षण अभियंता अंचल कार्यालय से विरोध प्रदर्शन शुरू होगा। इसके बाद प्रदर्शनकारी रघुनाथ वर्मा चौक होते हुए मिश्रित भवन स्थित विद्युत महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता, विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के कार्यालय तक पहुंचेंगे।

प्रेसवार्ता में संघ के संस्थापक सह प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने कहा कि ऊर्जा मित्र लंबे समय से बकाया मानदेय भुगतान की मांग उठा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। इस संबंध में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) और पावर ग्रिड सर्विस प्रोवाइडर बिलिंग एजेंसी के खिलाफ लगातार आवाज उठाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा मित्रों की आर्थिक स्थिति लगातार प्रभावित हो रही है। बार-बार मांग उठाने के बावजूद संबंधित एजेंसियों की ओर से ठोस पहल नहीं की गई है। संघ ने स्पष्ट किया है कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में आंदोलन जारी रखा जाएगा। समाचार को और संक्षिप्त करेंप्रदर्शन कार्यक्रम को बॉक्स में दें

झरिया में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनी संत जलाराम बापा की 227वीं जयंती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झरिया स्थित श्री जलाराम प्रार्थना मंदिर में सोमवार को संत शिरोमणि जलाराम बापा की 227वीं जयंती श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती समारोह को लेकर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

गुजरात के वीरपुर में जन्मे संत जलाराम बापा भगवान राम के परम भक्त थे। उनका पूरा जीवन सेवा, त्याग और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वे भूखों को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म मानते थे। लोकमान्यता के अनुसार, वे स्वयं झोली लेकर घर-घर से भोजन सामग्री एकत्र करते और जरूरतमंदों को भोजन कराते थे। उनकी सेवा और समर्पण से जुड़ी अनेक धार्मिक



कथाएं आज भी श्रद्धालुओं के बीच प्रचलित हैं। मान्यता है कि भगवान राम ने साधु का वेश धारण कर उनकी परीक्षा ली थी। वीरपुर स्थित जलाराम मंदिर में आज भी उनकी झोली और लाठी श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ सुरक्षित रखी गई है।

झरिया में लगभग 52 वर्ष पूर्व जलाराम मंदिर की स्थापना की गई थी। यहां प्रत्येक वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी को जलाराम बापा की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। जयंती समारोह की शुरूआत सुबह पांच बजे मंगला आरती से हुई। इसके बाद नौ बजे विशेष आरती आयोजित की गई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच उपहार वितरित किए गए। तत्पश्चात जलाराम बापा की विशेष पूजा-अर्चना हुई। इसमें मुख्य यजमान के रूप में साहिल त्रिवेदी अपनी पत्नी के साथ शामिल हुए। जगदीश भट्ट और प्रियंक भट्ट ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई।

इस अवसर पर नंदवाना समाज भवन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। संध्या समय भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। भक्तों ने भक्ति गीतों के माध्यम से बापा का गुणगान किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच जलाराम बापा का प्रिय प्रसाद खिचड़ी, कढ़ी और सब्जी वितरित की गई।

समारोह को सफल बनाने में हरीश कुमार जोशी, अधिवक्ता चेतन मपारा, किशोर ठक्कर, अतुल मंडल, राजेश ठक्कर, जिग्नेश जोशी, उमेश शाह, विजय चौहान, हर्ष दवे, विशाल सोलंकी, ललित सोलंकी, कल्पेश शाह, होमेश जोशी, रमेश संघवी, हिम्मतभाई राठौड़, वीणा मपारा, गीता ठक्कर, पुष्पाबेन ठक्कर, शीतल ठक्कर, शारदा जोशी, जल्पा जोशी, जिज्ञासा जोशी और गीता पांडे सहित अनेक श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिरसा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस पर निकली स्वच्छता जागरूकता दौड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । झारखंड के 26वें स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन की ओर से 'रन फॉर क्लीनलिनेस' थीम पर जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और नगर आयुक्त आशीष गंगवार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर किया।

दौड़ सुबह सात बजे रणधीर वर्मा चौक से शुरू हुई। निर्धारित मार्ग से होते हुए प्रतिभागी बेकारबांध पहुंचे, जहां छठ महापर्व के मद्देनजर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए साफ-सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाई।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और छठ महापर्व जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। राज्य स्थापना दिवस पर स्वच्छता को विशेष प्राथमिकता देते हुए 'रन फॉर



क्लीनलिनेस' की थीम निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और अपने शहर एवं राज्य को साफ-सुथरा तथा सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ एवं सुंदर झारखंड के निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सभी ने स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, नजारत उप समाहर्ता दीपक दुबे, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

17-11-2026 T.P. Page 4_Layout 1 17-11-2026 07:35 Page 1

संक्षिप्त खबरें

निशा भगत आत्महत्या मामले में सीबीआई ने दर्ज की प्राथमिकी, अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा नामजद



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड के चर्चित निशा भगत आत्महत्या मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की दिल्ली स्थित विशेष अपराध शाखा-1 में दर्ज प्राथमिकी में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इनके अलावा कुछ अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई ने जांच की प्रक्रिया शुरू करते हुए पिठौरिया थाने में दर्ज मूल प्राथमिकी संख्या 114/2026 को अपने यहां पंजीकृत किया है। निशा भगत के पिता हंदू भगत की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने यह मामला दर्ज किया था। गौरतलब है कि छह नवंबर को पिठौरिया थाना क्षेत्र के डहू टोली स्थित अपने आवास पर निशा भगत ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

आत्महत्या से पहले निशा भगत फेसबुक लाइव पर आई थीं। इस दौरान वह रोते हुए अपनी परेशानियों का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने जमीन के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। साथ ही पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए थे। लाइव वीडियो में उन्होंने अजय तिर्की का नाम लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए थे।

बताया जाता है कि आत्महत्या से पहले निशा भगत ने पिठौरिया थाना प्रभारी को फोन कर अपनी परिस्थितियों की जानकारी देने की कोशिश की थी। हालांकि, थाना प्रभारी ने उन्हें थाने आने की बात कहकर फोन काट दिया था। इस घटनाक्रम के बाद पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे थे।

निशा के पिता हंदू भगत ने लिखित शिकायत देकर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा और अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी की बदनामी कर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। भाजपा समेत कई विपक्षी दलों ने भी मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग उठाई थी।इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी स्वतः संज्ञान लेकर जांच की प्रक्रिया पर नजर रखी है।

महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने गुमला पहुंचकर निशा भगत के परिजनों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष, विस्तृत और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही निशा के फेसबुक लाइव वीडियो, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया है।अब सीबीआई जांच से इस पूरे मामले के तथ्यों, कथित प्रताड़ना, पुलिस की भूमिका और आत्महत्या से जुड़े घटनाक्रम का खुलासा होने की उम्मीद है। प्राथमिकी में नामजदगी आरोपों की पुष्टि नहीं है; उनकी सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

विधायक भूषण बाड़ा मामले में एनसीएसटी सख्त, मुख्य सचिव समेत तीन अधिकारियों से सात दिनों में मांगी रिपोर्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज प्राथमिकी के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए झारखंड के मुख्य सचिव, रांची के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को नोटिस जारी किया है।

आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 338क के तहत प्राप्त संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पूरे मामले की जांच करने का निर्णय लिया है। इसके तहत संबंधित अधिकारियों से मामले में लगाए गए आरोपों और अब तक की गई प्रशासनिक एवं पुलिस कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा मांगा गया है।

एनसीएसटी ने निर्देश दिया है कि नोटिस प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर सभी संबंधित अधिकारी अपनी रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराएं। आयोग यह जानना चाहता है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अब तक क्या कार्रवाई की गई है और मामले में जांच की वर्तमान स्थिति क्या है।आयोग ने अपने नोटिस में स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब नहीं मिलने पर वह दीवानी न्यायालय को प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारियों को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने के लिए समन जारी किया जा सकता है।आयोग की इस पहल के बाद मामले में प्रशासनिक और पुलिस कार्रवाई को लेकर निगरानी बढ़ गई है। अब संबंधित अधिकारियों की रिपोर्ट और आयोग की आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

भूषण बाड़ा मामले में आइसा ने जताया विरोध, निष्पक्ष जांच और पीड़िता की सुरक्षा की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग आदिवासी लड़की से दुष्कर्म के लगे आरोपों को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की झारखंड राज्य परिषद ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने के साथ पीड़िता को सुरक्षा प्रदान करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।आइसा ने कहा कि इस संवेदनशील मामले की जांच किसी भी राजनीतिक दबाव या प्रभाव से मुक्त होकर होनी चाहिए। संगठन ने कांग्रेस पार्टी से भी अपनी राजनीतिक और नैतिक जवाबदेही तय करने की अपील की है। उसका कहना है कि यह मामला केवल आपराधिक आरोपों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़िता की सुरक्षा, सम्मान और न्याय से भी जुड़ा हुआ है।संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि अब तक की गई कार्रवाई को पर्याप्त मानकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। पीड़िता और उसके परिवार को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श की सुविधा भी दी जाए। आइसा ने यह भी मांग की है कि पीड़िता या उसके परिवार पर किसी तरह का दबाव बनाने, धमकी देने अथवा समझौते के लिए मजबूर करने की कोशिशों पर प्रभावी रोक लगाई जाए।आइसा ने एक अन्य गंभीर पहलू की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि पढ़ाई और बेहतर भविष्य का भरोसा देकर बच्चियों से घरों में काम कराने की शिकायतों की भी जांच होनी चाहिए। संगठन ने इस पहलू को बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत जांचने और तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी धाराएं लगाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि किसी परिवार के बच्चों की शिक्षा और भविष्य संवारने की वास्तविक चिंता है, तो उन्हें अच्छे विद्यालयों में दाखिला दिलाने और छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल होनी चाहिए। बच्चों से घरेलू काम कराने के बजाय जरूरत पड़ने पर उनके माता-पिता को रोजगार दिया जाना चाहिए, ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

पंचायत भवन निर्माण में जेई को हाईकोर्ट से राहत, डिस्चार्ज अर्जी खारिज करने का आदेश निरस्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सरायकेला-खरसावां जिले में पंचायत भवन निर्माण से जुड़े कथित सरकारी राशि गबन मामले में आरोपी जूनियर इंजीनियर अजीत कुमार चौधरी को राहत दी है। अदालत ने उनकी आरोपमुक्ति (डिस्चार्ज) याचिका खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया है। हालांकि, आरोपमुक्त करने का अंतिम फैसला अभी निचली अदालत को ही लेना है।



मामला खरसावां प्रखंड के तेलाईडीह पंचायत भवन निर्माण योजना संख्या 30/2011-12 से जुड़ा है। इस योजना की अनुमानित लागत 21.15 लाख रुपये से अधिक थी और इसे 5 मई 2010 को प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। शुरूआत में विभागीय ठेकेदार सह जेई बाम प्रसाद को छह लाख रुपये अग्रिम दिए गए थे, लेकिन उन्होंने निर्माण कार्य करने से इनकार करते हुए राशि वापस कर दी। इसके बाद निर्माण की जिम्मेदारी अजीत कुमार चौधरी को सौंपी गई। इस मामले में 25 जुलाई 2013 को खरसावां थाना कांड संख्या 42/2013 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 406 और 409 के तहत आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया। आरोप पत्र दाखिल होने के बाद अजीत कुमार चौधरी ने सीआरपीसी की धारा 239 के तहत आरोपमुक्त करने की अर्जी दी थी, जिसे अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सरायकेला ने 28 फरवरी 2022 को खारिज कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए चौधरी ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिविजन याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि पूरे विवाद का मुख्य आधार पंचायत भवन निर्माण में हुई देरी है। याचिकाकर्ता ने 24 अप्रैल 2012 को ही संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर योजना की राशि अपर्याप्त होने और प्रखंड में केवल दो जूनियर इंजीनियर उपलब्ध रहने की समस्या से अवगत कराया था। उन्होंने मनरेगा सहित अन्य कार्यों की जिम्मेदारी के कारण निर्माण पूरा करने में कठिनाई जताई थी। साथ ही पंचायत सचिव या मुखिया के माध्यम से काम पूरा कराने का सुझाव भी दिया था।

अदालत ने यह भी गौर किया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने कार्य पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा और पहले बताई गई खामियों की दोबारा जांच कराने का आग्रह किया। बाद में पंचायत भवन का निर्माण पूरा हुआ। सक्षम प्राधिकार ने भवन का सत्यापन कर प्रमाण पत्र जारी किया और उसे उपायुक्त कार्यालय, खरसावां को सौंप दिया गया।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि प्राथमिकी और जांच के दौरान उपलब्ध कराई गई सामग्री में कथित गबन की गई राशि का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। आरोपों का मुख्य आधार निर्माण कार्य में देरी है। निचली अदालत ने इन महत्वपूर्ण तथ्यों और प्राथमिकी के बाद हुए घटनाक्रम पर समुचित विचार नहीं किया। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आईपीसी की धारा 406 और 409 के तहत अपराध कैसे बनता है। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने अजीत कुमार चौधरी की क्रिमिनल रिविजन याचिका स्वीकार कर ली और 28 फरवरी 2022 के निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने मामला वापस भेजते हुए निर्देश दिया कि दोनों पक्षों को सुनने के बाद सभी तथ्यों पर विचार कर स्वतंत्र रूप से नया और तर्कसंगत आदेश पारित किया जाए।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार जायसवाल ने पक्ष रखा।

पत्रकार अभिषेक भारती पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ रांची में विरोध, डीजीपी से मिलेंगे पत्रकार



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े मामले में पत्रकार अभिषेक भारती और एक न्यूज चैनल के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर रांची के पत्रकारों में नाराजगी बढ़ गई है। पत्रकारों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई का विरोध किया और इसे पत्रकारिता की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर मामला बताया।

इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार रजत कुमार गुप्ता, अभिषेक भारती के पिता एवं वरिष्ठ पत्रकार संपूणानंद भारती सहित अन्य पत्रकारों ने रांची प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान संपूणानंद भारती ने रांची और सिमडेगा पुलिस पर उनके परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से उनका परिवार मानसिक परेशानी का सामना कर रहा है।

पत्रकारों ने पूरे मामले को लेकर झारखंड के डीजीपी तदाशा मिश्रा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से पुलिस कार्रवाई की पूरी जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच और पत्रकारों के अधिकारों की सुरक्षा की मांग की जाएगी। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपने की बात कही है।प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त होने के बाद पत्रकार प्रेस क्लब के बाहर एकत्रित हुए और अभिषेक भारती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग को लेकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि किसी खबर के प्रसारण को लेकर पुलिस की कार्रवाई में पारदर्शिता होनी चाहिए और पत्रकारों को अनावश्यक रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।वरिष्ठ पत्रकार रजत कुमार गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों के खिलाफ लगातार ज्यादती की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री और पुलिस के वरीय अधिकारियों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराने की बात कही। पत्रकारों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो।

रिश्वत मामले में सीसीएल के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एस. रमन हाईकोर्ट से बरी, 2005 का फैसला निरस्त

25 साल पुराने मामले में हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, रिश्वत मांगने और लेने का नहीं मिला ठोस प्रमाण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के करीब तीन दशक पुराने मामले में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एस. रमन को बड़ी राहत देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा 30 मई 2005 को सुनाई गई सजा को निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किए जाने के आरोप को प्रमाणित करने में विफल रहा है।

सीबीआई के अनुसार, रांची के कांके रोड स्थित एक फर्म के प्रोपराइटर सुब्रतो मुखर्जी ने वर्ष 1991-92 में सीसीएल के इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल (ईएंडएम) विभाग को बिजली से संबंधित सामान की आपूर्ति की थी। आपूर्ति के बाद सात बिलों का भुगतान लंबित था। भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने तत्कालीन अधिकारी एस. रमन से संपर्क किया था।

आरोप था कि एस. रमन ने करीब 11,600 रुपये के सात बिलों का भुगतान कराने के एवज में 1,500 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 23 मई 1995 को रांची के गांधीनगर स्थित रमन के आवास पर जाल बिछाया।सीबीआई का दावा था कि कार्रवाई के दौरान फिनोल्फथेलीन पाउडर लगे नोट रमन के पास से बरामद किए गए थे। इसके अलावा सोडियम कार्बोनेट के घोल में हाथ डालने पर घोल का रंग गुलाबी हो गया था। इसी कार्रवाई को आधार बनाकर सीबीआई ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला चलाया था।मामले की सुनवाई के बाद सीबीआई की विशेष अदालत ने एस. रमन को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7 के तहत दो साल और धारा 13(2) के तहत एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही उन पर जुमार्ना भी लगाया गया था।

इस फैसले को एस. रमन ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अपील पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत मांगने और उसे स्वीकार करने के आरोप को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। अदालत ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7 और धारा 13(1)(डी) के साथ पठित धारा 13(2) के तहत अपराध साबित करने के लिए आवश्यक कानूनी तत्वों का प्रमाणित होना जरूरी है।अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि निचली अदालत ने गवाहों के बयानों का मूल्यांकन करते समय कुछ निष्कर्ष अनुमान के आधार पर निकाले थे। उसकी कई टिप्पणियां उपलब्ध साक्ष्यों और रिकॉर्ड से परे थीं। पर्याप्त प्रमाण के अभाव में दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती।

जमीन म्यूटेशन में सरकारी लापरवाही उजागर, झारखंड में 67 हजार से अधिक मामले लंबित

90 दिन से ज्यादा पुराने 16,889 मामलों का नहीं हुआ निष्पादन, रांची और धनबाद में स्थिति गंभीर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड में जमीन की दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) प्रक्रिया सरकारी उदासीनता और प्रशासनिक सुस्ती की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। जमीन की खरीद-बिक्री के बाद राजस्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने के लिए लोगों को महीनों तक अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। विभागीय आंकड़े राज्य में म्यूटेशन की बदहाल स्थिति की तस्वीर पेश कर रहे हैं। प्रदेश में कुल 67,814 मामले लंबित हैं। इनमें 16,889 मामले ऐसे हैं, जो आपत्तियों के कारण 90 दिनों से अधिक समय से अटके हुए हैं।



राजधानी रांची में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। यहां म्यूटेशन के कुल 16,530 मामले लंबित हैं, जिनमें 5,297 मामलों का 90 दिनों से अधिक समय से निपटारा नहीं हो सका है। कांके अंचल में सबसे ज्यादा 1,833 मामले इस श्रेणी में लंबित हैं। वहीं नामकुम में 791, ओरमांझी में 537, शहर अंचल में 568 और अरगोड़ा में 350 मामले लंबे समय से अटके हुए हैं।

पाकुड़ जिले में भी दाखिल-खारिज की प्रक्रिया बेहद धीमी है। यहां कुल 3,674 मामले लंबित हैं, जिनमें 2,120 मामले 90 दिनों से अधिक पुराने हैं। अकेले पाकुड़ अंचल में 1,839 मामले लंबित हैं, जबकि महेशपुर में 279 मामलों का निष्पादन नहीं हुआ है।

धनबाद में भी जमीन म्यूटेशन को लेकर लोगों की परेशानी कम नहीं है। जिले में कुल 7,112 मामले लंबित हैं। इनमें 2,018 मामले 90 दिनों से अधिक समय से अटके हैं। धनबाद अंचल में सबसे अधिक 725 मामले लंबित हैं। इसके अलावा गोविंदपुर में 565 और बाघमारा में 215 मामले लंबे समय से निष्पादन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हजारीबाग जिले में भी प्रशासनिक सुस्ती का असर साफ दिखाई दे रहा है। यहां म्यूटेशन के कुल 8,173 मामले लंबित हैं, जिनमें 1,977 मामलों का 90 दिनों से अधिक समय से निपटारा नहीं हुआ है। सदर अंचल में 468, कटकमदाग में 457 और पदमा में 221 मामले लंबित हैं।

अन्य जिलों में भी हालात बेहतर नहीं हैं। बोकारो में 1,313, गिरिडीह में 999 और चतरा में 556 मामले 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं। वहीं खूंटी में 287, पूर्वी सिंहभूम में 284, रामगढ़ में 385 और साहिबगंज में 524 मामले लंबे समय से अटके हुए हैं।

राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

म्यूटेशन में देरी का सीधा असर जमीन मालिकों और खरीदारों पर पड़ रहा है। रिकॉर्ड में नाम दर्ज नहीं होने से उन्हें जमीन से जुड़े दूसरे सरकारी कार्यों और कानूनी प्रक्रियाओं में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि जब दाखिल-खारिज के लिए समय-सीमा निर्धारित है, तो हजारों आवेदन तीन महीने से अधिक समय तक लंबित क्यों हैं? राजस्व विभाग को अंचलवार समीक्षा कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए, ताकि आम लोगों को इस अनावश्यक परेशानी से मुक्ति मिल सके।

कटनी के 12 करोड़ के ज्वेलरी शोरूम लूटकांड में झारखंड का बदरुद्दीन खान कोलकाता से गिरफ्तार

दीवार में सेंध लगाकर उड़ाए थे हीरे और सोने के जेवर, आठ दिन की पुलिस रिमांड मिली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । मध्य प्रदेश के कटनी जिले में 12 करोड़ रुपये से अधिक के हीरे और सोने के आभूषणों की चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इस वारदात में शामिल झारखंड के कथित गिरोह सदस्य बदरुद्दीन खान को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। शनिवार रात उसे कटनी लाया गया। न्यायालय में पेशी के बाद पुलिस को पूछताछ के लिए आठ दिनों की रिमांड मिली है। हालांकि, चोरी किए गए आभूषणों की बरामदगी अभी तक नहीं हो सकी है।मामला कटनी के माधवनगर स्थित किसना ज्वेलर्स शोरूम में हुई बड़ी चोरी का है। घटना के बाद पुलिस ने शोरूम और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान शोरूम के अंदर लगे कैमरे में एक संदिग्ध मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते दिखाई दिया। पुलिस ने इस फुटेज को अहम सुराग मानते हुए साइबर टीम की मदद से तकनीकी जांच शुरू की।मोबाइल फोन से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस की टीम कोलकाता पहुंची और घेराबंदी कर

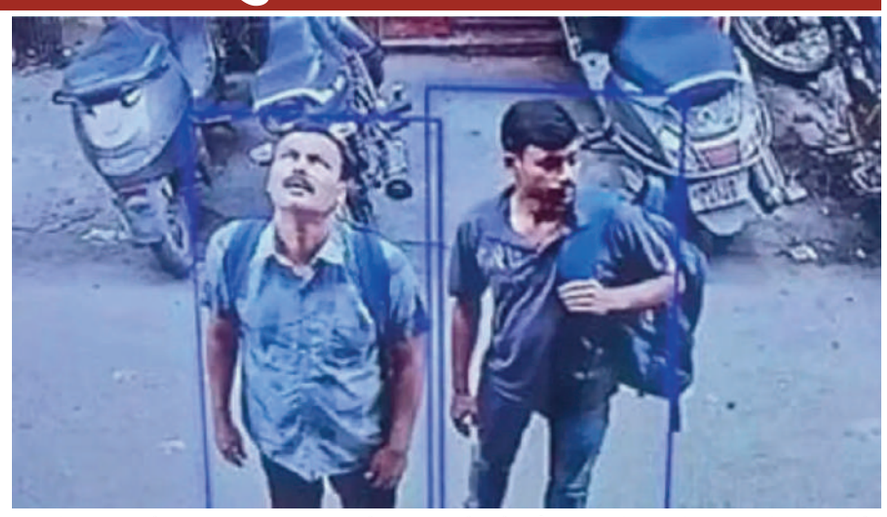

बदरुद्दीन खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के आभूषणों के ठिकाने का पता लगाने में जुटी है।जांच में सामने आया है कि गिरोह ने वारदात को अंजाम देने के लिए पहले से पूरी योजना तैयार की थी। चार संदिग्ध 10 नवंबर को रेलवे स्टेशन के पास सब्जी मंडी क्षेत्र स्थित गणपति प्लाजा में ठहरे थे। इनमें से दो लोगों ने होटल में अपनी पहचान से संबंधित दस्तावेज भी जमा कराए थे। पुलिस को संदेह है कि आरोपियों ने किसना ज्वेलर्स को निशाना बनाने से पहले शहर के अन्य ज्वेलरी शोरूम की भी रेकी की थी।

योजना के तहत आरोपियों ने पहाड़ी की ओर से शोरूम की दीवार में सेंध लगाई और अंदर रखे करोड़ों रुपये के हीरे तथा सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। वारदात के तरीके से पुलिस को आशंका है कि इसमें एक से अधिक लोग शामिल थे और सभी की भूमिका पहले से तय थी।बदरुद्दीन खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश तेज कर दी है। इसके लिए अलग-अलग टीमें झारखंड और प्रयागराज में छापेमारी कर रही हैं। पुलिस का मानना है कि चोरी किए गए जेवरात गिरोह के अन्य सदस्यों के पास हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के जरिए आभूषणों की बरामदगी और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है।

जेपीएससी-जेएसएससी नियुक्ति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट में छह नई हस्तक्षेप याचिकाएं दाखिल

सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका में अब तक 20 आवेदन, अंतरिम राहत और पक्षकार बनाने की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की नियुक्तियों में कथित घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कानूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस मामले में दायर जनहित याचिका पर अब छह नई हस्तक्षेप याचिकाएं दाखिल की गई हैं। याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत देने और मामले की सुनवाई में उन्हें पक्षकार बनाने का अनुरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली निवासी हरिशरण देवगम ने 19 अगस्त 2026 को जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच और कथित घोटाले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कराने की मांग उठाई गई है।

मामले की प्रारंभिक सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ में हुई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था।

बाद में न्यायमूर्ति वी. मोहना ने इस मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई ऐसी पीठ में की जाए, जिसमें न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल न हों। इस आदेश के बाद से अब तक मामले की अगली सुनवाई नहीं हो सकी है।

इस बीच मामले में हस्तक्षेप याचिकाओं की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। नई याचिकाएं दाखिल करने वालों में पीयूष कुमार सिंह, सबिता कुमारी, के.एल. प्रसाद, राजेश प्रसाद और अमित कुमार चंद्रवंशी सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

अब सभी की नजर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई पर टिकी है। इस मामले में अदालत का अगला रुख झारखंड की नियुक्ति प्रक्रियाओं से जुड़े विवाद और सीबीआई जांच की मांग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पथरा- महमदपुर के समीप बेकाबू कार ने मचाया तांडव, बाइक समेत दो पुलिसकर्मियों को 150 मीटर तक घसीटा





तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर आठ ग्रामीण भी हुए घायल, इलाके में मची अफरातफरी

ग्रामीणों ने कार समेत चालक को दबोचा, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा थाना क्षेत्र के महेर के पास रविवार शाम तेज रफ्तार कार ने जमकर कहर बरपाया। छठ घाट से ड्यूटी खत्म कर थाना लौट रहे दो पुलिसकर्मी कार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिसकर्मियों की बाइक कार की खिड़की में फंस गई। इसके बाद कार चालक दोनों को बाइक समेत करीब 150 मीटर तक घसीटता चला गया। महेर के पास दोनों पुलिसकर्मी सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में आठ ग्रामीण भी घायल हो गए। दोनों पुलिसकर्मियों को बेहतर इलाज के लिए एएनएमएमसीएच गया में भर्ती कराया गया है। हालांकि, चिकित्सकों ने उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है।

बताया जाता है कि टनकुप्पा थाना में पदस्थापित एएसआई पृथ्वीनाथ महतो और महिला पुलिसकर्मी पिंकी कुमारी रविवार शाम करीब छह बजे पथरा छठ घाट से ड्यूटी समाप्त कर बाइक से थाना लौट रहे थे। इसी दौरान गया की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक कार की खिड़की में फंस गई और दोनों पुलिसकर्मी काफी दूर तक घसीटते चले गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सीएचसी टनकुप्पा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया गया।बेकाबू कार ने पथरा और महमदपुर के पास आठ ग्रामीणों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सभी को चोटें आईं, जिनका स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने पीछा कर कार और उसके चालक को पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया।थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर के बाद बाइक कार की खिड़की में फंस गई थी, जिससे दोनों पुलिसकर्मी घसीटते चले गए। गिरफ्तार चालक की पहचान मो. साजिद खान के रूप में हुई है। वह वजीरगंज थाना क्षेत्र की देदौर पंचायत के मुखिया कारू खान का पुत्र है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार जब्त कर प्राथमिकी दर्ज की है। गिरफ्तार चालक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बिरसा मुंडा के संघर्ष की गाथा से गूंजा गुरपा का आदिवासी टोला, पारंपरिक नृत्य ने बांधा समां



बिरसा मुंडा जयंती पर आदिवासी समाज ने किया नमन, संस्कृति की दिखीं झलक

पारंपरिक वेशभूषा और हथियारों के साथ महिला-पुरुषों ने प्रस्तुत किया आकर्षक नृत्य

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 152 वीं जयंती रविवार को फतेहपुर प्रखंड के गुरपा जंगल स्थित परछाई आदिवासी टोले में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। झारखंड की सीमा से सटे इस आदिवासी बहुल इलाके में आयोजित समारोह में वीर बिरसा मुंडा के संघर्ष, शौर्य और बलिदान को याद किया गया। इस दौरान पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के जरिए आदिवासी संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिली। आदिवासी पहाड़ समिति परछाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर हुई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने उनके बताए रास्ते पर चलने और समाज की एकता, संस्कृति एवं परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुखिया प्रतिनिधि रंजीत साव और थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल आदिवासी समाज के अधिकारों तक सीमित नहीं था, बल्कि वह अन्याय, शोषण और गुलामी के खिलाफ पूरे देश के लिए प्रतिरोध की मिसाल था। उन्होंने अंग्रेजी शासन के दौरान आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन, धर्म और संस्कृति पर हो रहे हमलों के खिलाफ आवाज बुलंद की। कम उम्र में ही उन्होंने अपने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता से जनजातीय समाज को संगठित कर संघर्ष की नई चेतना जगाई। महज 25 वर्ष की उम्र में उनका बलिदान हो गया, लेकिन उनके विचार और संघर्ष आज भी पीढ़ियों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव और प्रेरणास्त्रोत हैं।समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। आदिवासी महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा एवं पारंपरिक हथियारों के साथ भाव नृत्य प्रस्तुत किया। मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों पर थिरकते कलाकारों ने अपनी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक एकजुटता का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुति से पूरा आदिवासी टोला जनजातीय रंग में सराबोर हो गया। ग्रामीणों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर समाजसेवी रंजीत साव, राजेश मांझी, साधु यादव, अजय यादव, मंगरा मुंडा, करम सिंह मुंडा, छोटू मुंडा, बिरछा मुंडा, नागी देवी, बाले मुंडा, सहित बड़ी संख्या में आदि समाज के लोग व ग्रामीण मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री से मिले नवनिर्वाचित विधान पार्षद डॉ राहुल राज

सारण, 16 नवंबर (हि.स.)। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधान पार्षद डॉ राहुल राज ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य शिक्षकों की न्यायसंगत और लंबित मांगों को पूरा कराने के लिए एनडीए सरकार का समर्थन करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त करना था।

विधान पार्षद डॉ राहुल राज ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इस बैठक में सारण क्षेत्र के शिक्षकों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हुई, साथ ही शिक्षकों की समस्याओं का विशेष रूप से ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज हमारी शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और अधिकारों की अनदेखी कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती।

मोदी का बिहार दौरा विकास की नई इबारत लिखेगा : जीतन राम मांझी

21 नवंबर को पीएम मोदी वैशाली में नीतीश सेतु राष्ट्र को करेंगे समर्पित

1650 एकड़ में विकसित औद्योगिक क्षेत्र से रोजगार के खुलेंगे नए अवसर



गया जी(एजेंसी) : केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बिहार दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का बिहार के प्रति स्नेह और संवेदनशीलता करोड़ों बिहारवासियों के लिए गौरव का विषय है। उनका आगमन राज्य के विकास की नई इबारत लिखेगा। श्री मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री का बिहार से रिश्ता केवल संवैधानिक दायित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति और मेहनतकश जनता के प्रति उनका विशेष लगाव है। उनका हर दौरा बिहार के लिए नई उम्मीद और विकास की संभावनाएं लेकर आता है। उन्होंने कहा कि 21 नवंबर को वैशाली की धरती पर कच्ची दरगाह- राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल, जिसे नीतीश सेतु नाम दिया गया है, राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। इससे उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क मजबूत होगा तथा व्यापार, पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। मांझी ने बताया कि वैशाली के जाफरपट्टी में करीब 1650 एकड़ में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, रेलवे, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का यह दौरा राज्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता और औद्योगिक विकास को नई गति देगा। बिहार की जनता उनके स्वागत के लिए उत्साहित है।

खरना का प्रसाद खाने जा रहे वृद्ध की सड़क पार करने के दौरान हादसे में दर्दनाक मौत, छठ मातम में बदलीं

घुटकुआं गांव के पास एसएच में हुआ हादसा, दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : छठ महापर्व की खुशियों के बीच तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। खरना का प्रसाद खाने घर से निकले 62 वर्षीय वृद्ध रामस्वरूप यादव की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घु-टकुआं गांव के पास गया-रजौली एसएच-70 पर सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना शनिवार देर शाम फतेहपुर थाना क्षेत्र की है। गांव के समीप मुख्य सड़क पार करते समय अचानक तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने रामस्वरूप यादव को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ ही देर में परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। रामस्वरूप यादव की मौत की खबर सुनकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर और गांव में छठ पर्व की तैयारियों के बीच उत्साह का माहौल था, वहां अचानक मातम छा गया।घटना की सूचना पर पहुंची फतेहपुर थाने की पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया भेज दिया। र-विवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक व्याप्त है।

खरहारी में अवैध शराब कारोबार और वन भूमि पर कब्जे मामले को मंत्री ने लिया संज्ञान

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी व मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने एसएसपी और डीएम से की बात

गया जी (एजेंसी) : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्रामीणों ने खरहारी गांव में कथित अवैध शराब कारोबार, सरकारी वन भूमि पर अतिक्रमण और ग्रामीणों के साथ मारपीट का मामला तूल पकड़ने लगा है। ग्रामीणों ने बिहार सरकार के वन विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा कर जंगल क्षेत्र में शराब की मिनी फैक्ट्रियां संचालित किए जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध कारोबार का विरोध करने पर उन्हें धमकाया जाता है और मारपीट की जाती है।

मामले में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने संज्ञान लिया है। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने गया के वरीय पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी से बातचीत कर मामले की निष्पक्ष जांच और पीड़ितों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। हम के जिला प्रवक्ता दिवाकर कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में 20 अगस्त 2018 को मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 287/18 दर्ज कराया गया था। इसके बावजूद कथित अवैध गतिविधियां जारी हैं। वहीं 10 नवंबर 2026 को विरोध करने पर करीब 40 वर्षीय भुंडल सिंह, पिता स्वर्गीय नंदकिशोर सिंह की बेरहमी से पिटाई किए जाने का आरोप है। गंभीर रूप से घायल भुंडल सिंह का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में कांड संख्या 1264/26 दर्ज होने की जानकारी दी गई है।

रेल ट्रैक पार करने वाले चिन्हित स्थानों पर जवानों की तैनाती, धीमी गति से गुजरीं ट्रेनें

सहायक सुरक्षा आयुक्त और रेल डीएसपी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को किया गया जागरूक



गया जी(एजेंसी) : छठ महापर्व के दौरान छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गया जंक्शन और आसपास स्टेशनो व रेल ट्रैक पर आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। रेल यात्रियों के साथ ही छठ घाटों तक आने-जाने वाले छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की स-रक्षा को प्राथमिकता देते हुए गया जंक्शन सहित आसपास के प्रमुख रेलखंडों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। खासकर रेल पटरियों को पार कर छठ घाटों तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

गया-मानपुर और गया-परैया रेलखंड के संवेदनशील एवं चिन्हित स्थानों पर दो दिनों तक आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी एवं जवान तैनात रहे। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह तथा रेल डीएसपी गुलशन कुमार के नेतृत्व में विशेष सुरक्षात्मक गश्ती अभियान चलाया गया। इस दौरान जवानों ने रेल लाइन के आसपास लगातार निगरानी रखी और श्रद्धालुओं को सुरक्षित आवागमन के लिए जागरूक किया।सुरक्षा टीम की ओर से लोगों से अपील की गई कि छठ घाट जाने अथवा लौटने के दौरान किसी भी परिस्थिति में रेल पटरियों को पार करने का जोखिम नहीं उठाएं। रेलवे ट्रैक के बजाय निर्धारित सुरक्षित रास्तों और रेलवे क्रॉसिंग का ही इस्तेमाल करें। थोड़ी सी लापर-वाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

छठ महापर्व पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने की आराधना



गया जी(एजेंसी) : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के साथ विश्व शांति की कामना की। छठ महापर्व के अवसर पर छठ प्रसाद ग्रहण करने के लिए मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह भी अपने समर्थकों के साथ पधारे। इस अवसर पर भाजपा के वरीय युवा नेता प्रेम सागर भी मौजूद थे।

छठ महापर्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, आस्था, अनुशासन, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अद्भुत प्रतीक है। यह महापर्व हमें भगवान सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी देता है।उन्होंने कहा कि छठ पर्व सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और लोक संस्कृति को मजबूत करने वाला महापर्व है। इसमें जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ पर्व मनाते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में व्रतियों की अटूट श्रद्धा, त्याग, तपस्या और समर्पण प्रेरणादायक है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न, आस्था का उमड़ा सैलाब



फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया। फतेहपुर प्रखंड के ढाढर नदी घाट समेत विभिन्न नदियों, तालाबों और पोखरों पर अहले सुबह से ही छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। छठी मइया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। व्रतियों ने जलाशयों में स्नान कर विधि-विधान से भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की। इसके बाद सूप और डाला में सजे ठेकुआ, फल, दीपक सहित अन्य पूजन सामग्रियों के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। व्रतियों ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा किया। इसके बाद परिवार के सदस्यों और सगे-संबंधियों को सिंदूर व तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया तथा लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय से हुई थी। दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पर्व का समापन हुआ। इस दौरान छठ घाटों की साफ-सफाई, आकर्षक सजावट और दीपों की रोशनी ने माहौल को और भी मनोरम बना दिया। नगर प्रशासन की ओर से घाटों पर चेंजिंग रूम, पेयजल, रोशनी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पांच किलोमीटर की दौड़ में तीन जिलों के धावकों ने लगाई रफ्तार, सूर्या ने मारी बाजी

पूणार्डीह की मैराथन में गया के सूर्या कुमार यादव बने चैंपियन

औरंगाबाद के प्रकाश दूसरे और नवादा के रवि रंजन तीसरे स्थान पर रहे

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की चरोखरी पंचायत के पूणार्डीह गांव में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित मैराथन दौड़ में तीन जिलों के धावकों ने अपनी रफ्तार और दमखम से खूब तालियां बटोरीं। पांच किलोमीटर की इस प्रतिस्पर्धा में गया के सूर्या कुमार यादव ने सभी धावकों को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। औरंगाबाद के प्रकाश यादव दूसरे और नवादा के रवि रंजन कुमार तीसरे स्थान पर रहे। जय हिंद युवा क्लब के तत्वावधान में रविवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में गया, औरंगाबाद और नवादा जिले के धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ शुरू होते ही धावकों के बीच आगे निकलने की होड़ दिखी। पूरे रास्ते ग्रामीणों और खेलप्रेमियों ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कड़े मुकाबले के बाद शीर्ष दस धावकों का चयन किया गया। विजेता सहित सभी सफल प्रतिभागियों को अतिथियों ने ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की भरमार है। जरूरत है उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की। खेलकूद से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। साथ ही उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, एकता और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आज राज्य सरकार सम्मानित करने के साथ डीएसपी रैंक तक की नौकरी दे रही है। ऐसे में युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी अपनी पहचान बनानी चाहिए।

छठ के बाद ट्रेनों में उमड़ी भीड के बीच सुरक्षा को लेकर आरपीएफ अलर्ट :अमरेश

आरपीएफ आईजी ने कमांडेंट और इंस्पेक्टरों को दिए निर्देश, ड्यूटी में लापरवाही पर होगी विभागीय कार्रवाई



गया जी(एजेंसी) : छठ महापर्व के समापन के बाद अपने गंतव्य की ओर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर तेजी से बढ़ने लगी है। गया जंक्शन सहित पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न रेल मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए आरपीएफ ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के साथ ही स्टेशनों और ट्रेनों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है।पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने छठ के बाद यात्रियों की वापसी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने डीडीयू रेल मंडल सहित धनबाद, दानापुर, समस्तीपुर और सोनपुर रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट तथा पोस्टों के इंस्पेक्टरों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने को कहा है।आरपीएफ डीजी जितेंद्र कुमार द्वारा दिए गए दिशा निर्देश और सुझाव पर गम्भीरता से अमल करने की बात करते हुए आईजी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ के दौरान विशेषकर सामान्य और स्लीपर कोचों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जाए। स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज, प्रवेश और निकास द्वार तथा यात्रियों के आवागमन वाले संवेदनशील स्थानों पर आरपीएफ जवानों की सक्रिय तैनाती सुनिश्चित की जाए। भीड़ के बीच संदिग्ध व्यक्तियों और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए ताकि चोरी, छिनतई, नशाखुरानी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सुरक्षा ड्यूटी के साथ जरूरतमंद यात्रियों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी आईजी अमरेश कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार के बाद यात्रियों की भारी भीड़ के बीच सुरक्षा ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी या जवान की ड्यूटी में लापरवाही की शिकायत मिलती है तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

चीन और माइक्रोसॉफ्ट के वर्चस्व को चुनौती, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती दुनिया

दुनिया में आर्थिक और तकनीकी शक्ति का संतुलन तेजी से बदल रहा है। पिछले दो दशकों में चीन ने सस्ते उत्पादन, विशाल औद्योगिक क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर मजबूत पकड़ के दम पर दुनिया की सबसे बड़ी विनिर्माण शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। दूसरी ओर, कंप्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, क्लाउड सेवाओं और कारोबारी सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट ने अपना व्यापक वर्चस्व स्थापित किया है। लेकिन अब दुनिया के अनेक देश इस निर्भरता को अपनी आर्थिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती मानने लगे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक टकराव, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और तकनीकी व्यवधानों ने देशों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या अपनी अर्थव्यवस्था और डिजिटल व्यवस्था को कुछ चुनिंदा देशों और कंपनियों के भरोसे छोड़ना उचित है? अब दुनिया में एक नई सोच विकसित हो रही है। देश केवल सस्ता सामान खरीदने या तैयार तकनीक का इस्तेमाल करने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि अपनी उत्पादन क्षमता, तकनीकी संसाधन और डिजिटल ढांचे को भी मजबूत करना चाहते हैं। भारत सहित कई देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

चीन ने लिथियम, निकेल, दुर्लभ खनिजों, सौर ऊर्जा उपकरणों, बैटरियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा निर्माण के कच्चे माल और सेमीकंडक्टर से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। सस्ते उत्पादन और बड़े पैमाने पर उपलब्धता के कारण दुनिया के अनेक देशों ने चीन से आयात को प्राथमिकता दी। भारत में भी खिलौनों, सजावटी वस्तुओं, देवी-देवताओं की मूर्तियों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और रोजमर्रा के उपयोग की अनेक वस्तुओं के बाजार में चीनी उत्पादों की बड़ी हिस्सेदारी रही है।

लेकिन इस निर्भरता की कीमत भी अब सामने आने लगी है। जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज के निर्यात पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगाता है, तब दूसरे देशों के उद्योगों के सामने कच्चे माल की उपलब्धता का संकट खड़ा हो जाता है। अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा, सेमीकंडक्टर निर्यात पर पाबंदियां, दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए व्यापार शुल्कों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसका असर केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया की उत्पादन व्यवस्था पर पड़ता है।

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं।

: विनोबा भावे

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।

: कहावत

तेजस्वी, स्वाभिमानी व जुझारू विचारधारा का सूत्रपात करने वाले लाला लाजपत राय

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सन 1905 का बंग-भंग आंदोलन एक निर्णायक मोड़ था। उससे पूर्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यप्रणाली ब्रिटिश सरकार के समक्ष प्रार्थना, याचना और प्रतिवेदन तक सीमित थी। लाला लाजपत राय ने महाराष्ट्र के लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और बंगाल के विपिनचंद्र पाल के साथ मिलकर कांग्रेस के भीतर एक तेजस्वी, स्वाभिमानी और जुझारू विचारधारा का सूत्रपात किया, जिसे इतिहास में लाल-बाल-पाल की त्रिमूर्ति के रूप में जाना जाता है। लाजपत राय ने ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा भारत के आर्थिक शोषण का पदार्फाश करने के लिए इंगलैंड्स डेट टू इंडिया नामक ऐतिहासिक ग्रंथ की रचना की। प्रामाणिक ब्रिटिश दस्तावेजों और आँकड़ों के आधार पर उन्होंने सिद्ध किया कि प्लासी के युद्ध (1757) के पश्चात इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति भारत से लूटे गए धन के बल पर ही संपन्न हुई थी और भारत की निर्धनता का एकमात्र कारण ब्रिटिश औपनिवेशक नीतियां हैं।

अथर्ववेद3/24/5 के मंत्र शतहस्त समाहर सहस्रहस्त सं किर। अर्थात- सैकड़ों हाथों से धन का अर्जन करो और हजारों हाथों से समाज के कल्याण में उसका वितरण करो, की भावना को चरितार्थ करते हुए उन्होंने भारतीयों के आर्थिक स्वावलंबन हेतु ठोस संस्थानों की नींव रखी। सन 1894 में पूर्णतः भारतीय पूंजी और प्रबंधन से स्थापित पंजाब नेशनल बैंक के संस्थापकों में उनकी अग्रणी भूमिका थी। इसके अतिरिक्त, स्वदेशी बीमा क्षेत्र में लक्ष्मी इंश्योरेंस कंपनी की स्थापना कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि भारतीय उद्यमी विदेशी कंपनियों के बिना भी आधुनिक वित्तीय संस्थानों का सफल संचालन कर सकते हैं। उनके अनुसार स्वदेशी केवल विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार मात्र नहीं था, अपितु यह राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता का एक व्यापक दर्शन था। जब बंगाल में स्वदेशी आंदोलन तीव्र हुआ, तो लाजपत राय ने उसे संपूर्ण उत्तर भारत, विशेषकर पंजाब में जन आंदोलन का रूप दे दिया।ब्रिटिश सरकार लाजपत राय की बढ़ती लोकप्रियता और क्रांतिकारी विचारों से अत्यंत भयभीत थी। सन 1907 में पंजाब के किसानों के विरुद्ध बनाए गए औपनिवेशिक कानूनों के विरोध में जब लाजपत राय और सरदार अजीत सिंह के नेतृत्व में पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन प्रज्वलित हुआ, तो ब्रिटिश सत्ता ने बिना किसी मुकदमे के उन्हें गिरफ्तार कर बर्मा (म्यांमार) की मांडले जेल में निर्वासित कर दिया। जेल की यातनाओं के मध्य उन्होंने द स्टोरी ऑफ माई डिपोर्टेशन लिखकर औपनिवेशिक न्याय-व्यवस्था के खोखलेपन को उजागर किया। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान सन 1914 से 1920 तक लाला लाजपत राय को इंग्लैंड, अमेरिका और जापान में प्रवास करना पड़ा। इस प्रवास काल को उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय जनमत तैयार करने के एक सुनहरे अवसर में परिवर्तित कर दिया। न्यूयॉर्क में उन्होंने इंडियन होम रूल लीग ऑफ अमेरिका की स्थापना की और यंग इंडिया नामक मासिक पत्रिका का संपादन आरंभ किया। उन्होंने अमेरिकी सीनेट, बुद्धिजीवियों और पत्रकारों के समक्ष भारत की प्राचीन सभ्यता और ब्रिटिश अत्याचारों का यथार्थ चित्र प्रस्तुत किया। जापान की यात्रा के पश्चात उन्होंने इवोल्यूशन ऑफ जापान नामक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने यह विश्लेषित किया कि किस प्रकार एक एशियाई राष्ट्र ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विज्ञान और अनुशासन के बल पर विश्व शक्ति का दर्जा प्राप्त किया। भारत के युवाओं को जापान से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए उन्होंने लिखा कि राष्ट्रों का उत्थान भिक्षावृत्ति से नहीं, अपितु पुरुषार्थ और संगठन शक्ति से होता है। सन 1920 में जब लाजपत राय भारत लौटे, तो उनका भव्य स्वागत हुआ और उसी वर्ष कलकत्ता में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विशेष अधिवेशन का उन्हें अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसी अधिवेशन में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित हुआ। परंतु लाजपत राय की दृष्टि केवल मध्यमवर्गीय राजनीति तक सीमित नहीं थी। वे भारत के करोड़ों किसानों और औद्योगिक श्रमिकों की दयनीय स्थिति से भली-भाँति अवगत थे। सन 1920 में ही जब अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना हुई, तो लाला लाजपत राय को इसका प्रथम अध्यक्ष चुना गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने पूंजीवाद और साम्राज्यवाद को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। नका मानना था कि जब तक देश के उत्पादक वर्ग- किसान और मजदूर, शोषण मुक्त नहीं होंगे, तब तक राजनीतिक स्वराज अधूरा रहेगा। सन 1921 में उन्होंने लाहौर में लोकसेवक मंडल की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ऐसे आजीवन समर्पित कार्यकताओं की एक श्रृंखला तैयार करना था जो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा कर सकें। महाभारत के शांतिपर्व में वर्णित राजधर्म और लोककल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित इस संस्था ने बाद में भारत को लाल बहादुर शास्त्री जैसे निष्कलंक और कर्मठ राजनेता प्रदान किए। सन 1927 में अमेरिकी लेखिका कैथरीन मेयो ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के इशारे पर मदर इंडिया नामक एक अत्यंत विषाक्त और पूर्वाग्रहपूर्ण पुस्तक प्रकाशित की, जिसमें भारतीय संस्कृति, धर्म, समाज और स्वतंत्रता आंदोलन को अत्यंत वीभत्स एवं असभ्य रूप में चित्रित किया गया था। महात्मा गांधी ने इसे गटर इंस्पेक्टर की रिपोर्ट कहा था, किंतु इसका सटीक, तार्किक और प्रामाणिक प्रत्युत्तर लाला लाजपत राय ने सन 1928 में अनहैप्पी इंडिया नामक कालजयी ग्रंथ लिखकर दिया।

इस ग्रंथ में लाजपत राय ने न केवल कैथरीन मेयो के असत्य कथनों की धज्जियां उड़ाईं, अपितु अमेरिका और यूरोप के समाज में व्याप्त नस्लवाद, दासप्रथा, महिला उत्पीड़न और नैतिक पतन के आंकड़े प्रस्तुत कर पाश्चात्य अहंकार को आईना दिखाया। उन्होंने प्राचीन भारतीय नीतिशास्त्र, चिकित्सा विज्ञान (आयुर्वेद), स्थापत्य और सामाजिक व्यवस्था की वैज्ञानिकता को प्रमाणित करते हुए विश्व के समक्ष भारतीय संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना की। यह ग्रंथ बौद्धिक क्षत्रियत्व का एक अनुपम उदाहरण है, जो यह सिखाता है कि कलम की शक्ति तलवार की धार से भी अधिक प्रखर होती है।

सन 1928 का वर्ष भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उथल-पुथल का वर्ष था। ब्रिटिश सरकार ने भारत के संवैधानिक सुधारों की समीक्षा हेतु सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय आयोग (साइमन कमीशन) नियुक्त किया, जिसमें एक भी भारतीय सदस्य नहीं था। इसे भारत के आत्मसम्मान का घोर अपमान मानते हुए संपूर्ण देश में साइमन वापस जाओ के गगनभेदी नारों के साथ इसके बहिष्कार का निर्णय लिया गया।

30 अक्टूबर सन 1928 को जब साइमन कमीशन लाहौर रेलवे स्टेशन पर पहुँचा, तो लाला लाजपत राय के नेतृत्व में हजारों निहत्थे देशभक्तों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। अस्वस्थ होने के बावजूद 63 वर्षीय वृद्ध केशरी अग्रिम पंक्ति में अडिग खड़े थे। ब्रिटिश पुलिस अधीक्षक जेम्स ए. स्कॉट ने बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज का आदेश दिया। सहायक अधीक्षक जॉन सॉन्डर्स और पुलिसकर्मियों ने विशेष रूप से लाला लाजपत राय को लक्ष्य बनाकर उनके वक्षस्थल और सिर पर निर्मम प्रहार किए। कठोर आघातों से रक्तस्राव होने के बावजूद उस महामानव के मुख पर भय की एक रेखा तक न थी। उसी सायंकाल लाहौर की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जो ऐतिहासिक भविष्यवाणी की, वह भारतीय इतिहास का वेदवाक्य बन गई-

मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में एक-एक कील सिद्ध होगी।

गंभीर आंतरिक आघातों के कारण उनका स्वास्थ्य निरंतर गिरता गया और अंततः 17 नवंबर सन 1928 की प्रातः वे इस नश्वर संसार को त्यागकर अनंत में विलीन हो गए। उनके बलिदान ने संपूर्ण राष्ट्र में क्रांति की ऐसी ज्वाला प्रज्वलित की, जिसकी आँच में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिल गई। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने एक माह के भीतर ही सॉन्डर्स का वध कर अपने प्रिय नेता के अपमान का प्रतिशोध लिया और स्वयं को राष्ट्र की बलिवेदी पर समर्पित कर दिया।

लाला लाजपत राय के संपूर्ण व्यक्तित्व और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक आकलन करने से स्पष्ट होता है कि वे किसी एक विचारधारा या वर्ग के नेता नहीं, अपितु समग्र भारतीय चेतना के संवाहक प्रतीत होते हैं। उनके चिंतन में वेदांत का अद्वैत, आर्यसमाज का कर्मयोग, बुद्ध की करुणा, चाणक्य की कूटनीति और छत्रपति शिवाजी का शौर्य एकाकार हो गया था। आज इक्कीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में, जब भारत पुनः विश्वगुरु के पद पर आरूढ़ होने के लिए कटिबद्ध है, तब लाला लाजपत राय के सिद्धांतों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। उनका जीवन हमें यह शाश्वत सत्य स्मरण कराता है कि आत्मनिर्भरता (स्वदेशी) ही सच्ची स्वतंत्रता की गारंटी है। आर्थिक रूप से परावलंबी राष्ट्र कभी भी स्वतंत्र विदेश या रक्षा नीति का पालन नहीं कर सकता। सामाजिक समरसता के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा असंभव है। जाति, भाषा और क्षेत्र के भेदभाव को मिटाकर ही एक सुदृढ़ और अजेय राष्ट्र का निर्माण संभव है। शिक्षा में आधुनिकता और संस्कारों का संतुलन आवश्यक है। विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ यदि युवा पीढ़ी अपनी वैदिक जड़ों और नैतिक मूल्यों से विमुख हो गई, तो विकास दिशाहीन हो जाएगा। अथर्ववेद के एक मंत्र में राष्ट्र के रक्षक वीरों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा गया है कि जो वीर अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं, वे सूर्य के समान तेजस्वी लोकों को प्राप्त करते हैं। लाला लाजपत राय का जीवन एक ऐसे प्रज्वलित यज्ञकुंड के समान था, जिसमं उन्होंने अपने सुख, वैभव, स्वास्थ्य और अंततः प्राणों की भी आहुति दे दी।

उनकी पुण्यतिथि पर सच्ची श्रद्धांजलि केवल पुष्पांजलि अर्पित करना नहीं है, अपितु उनके द्वारा दिखाए गए सत्य, निर्भीकता, स्वदेशी, सामाजिक न्याय और राष्ट्र-समर्पण के मार्ग पर अग्रसर होना है। जब तक हिमालय के उत्तुंग शिखर विद्यमान हैं और जब तक गंगा-यमुना की पावन धाराएं प्रवाहित हो रही हैं, तब तक पंजाब केसरी लाला लाजपत राय का बलिदान प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करता रहेगा।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

देश की प्रत्येक पंचायत में अत्याधुनिक हाईटेक अग्निशमन यंत्र अनिवार्य हों

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले हमारे भारत देश में न केवल त्योहारों के अवसर पर, बल्कि प्रतिदिन आगजनी की घटनाएं होती रहती हैं। इन घटनाओं में जहां जनहानि होती है, वहीं आग से प्रभावित परिवार आर्थिक रूप से बबार्दी की कगार पर पहुंच जाते हैं। आग किसी का इंतजार नहीं करती। न वह किसी की सगी होती है और न ही किसी को संभलने का अवसर देती है। जब आग लगती है तो अपने पीछे सब कुछ राख करके चली जाती है। आग की विभीषिका इतनी भयावह होती है कि उसे देखने वालों की भी रूह कांप उठती है। भारत जैसे विशाल देश में आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकारों ने अग्निशमन व्यवस्था तो कर रखी है, लेकिन बढ़ती आबादी, ऊंची ऊंची इमारतों और दिनों दिन संकरी होती गलियों के बीच आग लगने पर अग्निशमन व्यवस्था की वास्तविक क्षमता की पोल खुल जाती है। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, कहीं भी आगजनी की घटना होने पर सबसे पहले सरकारी दमकल और फायर ब्रिगेड के वाहनों को याद किया जाता है। जनता को उम्मीद रहती है कि दमकल वाहन तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा लेंगे। लेकिन अफसोस, संसाधनों की कमी और व्यवस्थागत खामियों के कारण दमकलकर्मी अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद कई बार आग पर नियंत्रण नहीं कर पाते। ऐसे में सरकार की अग्निशमन व्यवस्था के प्रति जन आक्रोश का फूटना स्वाभाविक है।

पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देशभर के राज्यों की अग्निशमन व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए 5,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। इसके तहत राज्य सरकारों के सहयोग से अग्निशमन व्यवस्था को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने की योजना है, ताकि तंग बाजारों, संकरी गलियों, ऊंची इमारतों और घने जंगलों में आगजनी की घटनाओं पर तत्काल प्रभाव से काबू पाया जा सके। हालांकि, भारत में वर्तमान आबादी के अनुपात में अग्निशमन संसाधनों की स्थिति अभी भी काफी कमजोर है। देश में अग्निशमन यंत्रों और संसाधनों की लगभग 75 प्रतिशत तक कमी होने की बात सामने आती रही है। विभिन्न राज्यों के जिलों में दमकल वाहनों की स्थिति भी चिंताजनक है। यदि आग बुझाने वाले वाहनों के टैंक और पाइप ही टूटे फूटे हों तथा उनके टायर जर्जर अवस्था में हों, तो आखिर दमकलकर्मी आग पर प्रभावी ढंग से कैसे काबू कर पाएंगे? देश की सभी राज्य सरकारों को अपनी अपनी अग्निशमन व्यवस्था की नए सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। इसे केवल एक सामान्य सरकारी सुविधा न मानकर जनहित की प्राथमिक और अनिवार्य सेवा का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही ऐसा नियम बनाया जाना चाहिए कि देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक सुचारु और आधुनिक अग्निशमन वाहन उपलब्ध हो। जब ग्रामीण क्षेत्रों के गांवों, खेतों और जंगलों में आगजनी की घटनाएं होती हैं, तब उन्हें बुझाने के लिए शहरी क्षेत्रों की दमकल व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों तक दमकल वाहनों को पहुंचने में काफी समय लग जाता है। आगजनी जैसी आपात स्थिति में यही देरी कभी कभी भारी जन धन की हानि का कारण बन जाती है। इसलिए राज्य सरकारों को ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से निर्णय लेना होगा।

देशभर में आगजनी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को शहरी आवास एवं निर्माण नीति में भी कठोर नियम बनाने होंगे। इन नियमों के पालन में प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होना भी जरूरी है। आज देश के अनेक शहरों में बढ़ते शहरीकरण के साथ अवैध निर्माण की समस्या तहसील मुख्यालयों तक पहुंच गई है। बड़े शहरों और जिला मुख्यालयों की सड़कों पर बढ़ते स्थायी अतिक्रमण ने चौड़ी सड़कों को भी संकरी गलियों में तब्दील कर दिया है। कई स्थानों पर स्थिति यह है कि एक कार का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आगजनी की स्थिति में इन संकरी गलियों से दमकल वाहन के घटनास्थल तक पहुंचने की उम्मीद करना भी बेमानी है। सवाल यह है कि जब दमकल वाहन ही घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाएंगे, तो आग पर नियंत्रण कैसे होगा? इसलिए अवैध निर्माण और अतिक्रमण के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई समय की मांग है। विश्व के कई विकसित देशों ने अग्निशमन व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग करके अपनी क्षमता को काफी मजबूत किया है। अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और अरब देशों सहित अनेक देशों में अत्याधुनिक अग्निशमन प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है। ड्रोन, रोबोट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और थर्मल तकनीक के माध्यम से दुर्गम स्थानों तथा भयावह आगजनी की घटनाओं पर भी नियंत्रण पाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इन तकनीकों से आग की वास्तविक स्थिति का आकलन करने, प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने और दमकलकर्मियों के जोखिम को कम करने में सहायता मिल सकती है।

अतएव, भारत में भी केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप अग्निशमन व्यवस्था को अत्याधुनिक और हाईटेक बनाने की दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है। इसके लिए केवल बड़े शहरों और जिला मुख्यालयों तक ही संसाधन सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ग्रामीण भारत को भी इस व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आगजनी की घटनाओं में होने वाली जनहानि और आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत तक आधुनिक अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। केंद्र और राज्य सरकारों को इस दिशा में समन्वित प्रयास करते हुए प्रत्येक पंचायत में कम से कम एक सक्षम अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए। क्योंकि आग लगने के बाद राहत और बचाव की कोशिशों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है समय रहते उस पर नियंत्रण पाने की व्यवस्था। जनहित में अब यह अनिवार्य हो गया है कि देश की प्रत्येक पंचायत को आग से सुरक्षा का मजबूत कवच मिले।

अरविंद रावल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7695

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7694 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

17 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मकर में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.17 ब.से
धनु	08.33 बजे से
मकर	10.38 बजे से
कुंभ	12.24 बजे से
मीन	13.57 बजे से
मेष	15.28 बजे से
वृष	17.08 बजे से
मिथुन	19.06 बजे से
कर्क	21.19 बजे से
सिंह	23.35 बजे से
कन्या	01.47 बजे से
तुला	03.58 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 321 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 06.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 04.35 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वृद्धि 07.54 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 17.18 बजे तदनन्तर बव 06.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 56'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872896
जूलियन दिन 2461361.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, लाला लाजपत राय बलिदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	**काल**	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	**लाभ**	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	**उद्वेग**	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	**शुभ**	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	**अमृत**	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	**चर**	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	**रोग**	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	**काल**	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

विपक्ष में पहले हिस्सेदारी की लड़ाई, फिर भाजपा से मुकाबला

उत्तर प्रदेश में 2027 की सत्ता की लड़ाई से पहले विपक्ष में सीटों का संग्राम छिड़ गया है। भाजपा को चुनौती देने से पहले तय हो रहा है कि गठबंधन में किसकी हैसियत कितनी है। कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से 181 पर दावा ठोककर सपा के सामने चुनौती रख दी है। सपा सांसद राजीव राय ने मांग को अव्यावहारिक बताया और कहा कि सीट नहीं, जीत महत्वपूर्ण है। इमरान मसूद सभी 403 सीटों पर तैयारी का दावा कर रहे हैं। दल आपस में भरोसा क्यों नहीं बना पा रहे? कांग्रेस की 181 सीटों की मांग प्रदेश में खोई जमीन पाने की महत्वाकांक्षा है। रायबरेली और अमेठी के साथ लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर पर दावा बताता है कि पार्टी पुराने गढ़ों से आगे बढ़ना चाहती है। लेकिन सूची से संगठन खड़ा नहीं होता। कांग्रेस बताए कि कितने जिलों में सक्रिय ढांचा, कितने बूथों पर कार्यकर्ता और कितने जीतने योग्य उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार की पहचान हर सीट पर वोट नहीं बनती। 181 का आंकड़ा अंतिम मांग है या बातचीत की शुरूआत, स्पष्ट नहीं है। संभव है कांग्रेस ऊंचा दावा रखकर सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहती हो या 2027 को संगठन विस्तार का अवसर मानती हो। उसे बताना चाहिए कि कहां प्रदर्शन मजबूत रहा। महत्वाकांक्षा बोझ बन जाती है। खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की बैठक बताती है कि कांग्रेस गंभीर है। खरगे ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को मुद्दा बताया। असली कसौटी सीटों पर सहमति और संगठन की तैयारी होगी। राहुल और प्रियंका उत्साह जगा सकते हैं, मगर चुनाव बूथ के कार्यकर्ता और स्वीकार्य उम्मीदवार से जीता जाता है।

राजीव राय का बयान साफ करता है कि सपा कांग्रेस को जीतने की क्षमता के आधार पर सीटें देना चाहती है। तर्क व्यावहारिक है, पर सपा अपनी सुविधा को गठबंधन का नियम नहीं बना सकती। अखिलेश 2024 के बाद विपक्ष के मजबूत क्षेत्रीय चेहरे हैं। नेतृत्व का अर्थ सहयोगियों को छोटा दिखाना नहीं। कम सीटें मिलीं तो कांग्रेस उपेक्षा कहेगी; ज्यादा मिलीं तो सपा के दावेदारों और छोटे सहयोगियों में असंतोष होगा। अखिलेश को गठबंधन की जरूरत समझनी होगी। इमरान मसूद कहते हैं कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रही है, लेकिन सीटों से ज्यादा जीत महत्वपूर्ण है। यह दबाव या संगठन सक्रिय करने का संदेश हो सकता है। अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने पर आपत्ति न होने की बात गठबंधन का दरवाजा खुला रखती है। लक्ष्य साझा जीत है तो हर सीट पर तैयारी का दावा किसलिए? तैयारी करना अधिकार है, पर उसे ताकत बताकर हिस्सेदारी मांगना अलग बात है। आंकड़े बहस को जमीन देते हैं। 2022 में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी, केवल दो जीती और उसे 2.33 प्रतिशत वोट मिले। सपा ने 347 सीटों पर लड़कर 111 सीटें और 32.06 प्रतिशत वोट पाए। 2017 में कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर सात जीती, जबकि सपा 311 पर लड़कर 47 पर सिमटी। भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट के साथ 312 सीटें जीतीं। ये नतीजे कांग्रेस की कमजोरी और सपा की ताकत दिखाते हैं। पुराने नतीजे आज का अंतिम फैसला नहीं। कांग्रेस के पक्ष में 2024 का लोकसभा परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह जीतीं। सपा को 33.60 प्रतिशत और कांग्रेस को 9.46 प्रतिशत वोट मिले। दोनों ने भाजपा को 33 सीटों पर रोका। यह कांग्रेस की वापसी का संकेत है। मगर लोकसभा का मत प्रतिशत विधानसभा की 181 सीटों पर सीधे लागू नहीं हो सकता। स्थानीय उम्मीदवार, मुद्दे, जातीय समीकरण और बूथ प्रबंधन नतीजा तय करते हैं। छह लोकसभा सीटों की जीत 181 विधानसभा सीटों का अधिकारपत्र नहीं।

अखिलेश के सामने पीडीए की राजनीति को गठबंधन के साथ साधने की चुनौती है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाता सपा की रणनीति के केंद्र में हैं। कांग्रेस भी सामाजिक न्याय की बात करती है। कई सीटों पर दोनों एक ही सामाजिक आधार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टिकट जातीय गणित या नेताओं की पसंद से तय हुए तो कार्यकर्ता दूसरे दल के उम्म

देश की आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय नायकों के योगदान को भुला दिया

एजेंसी, भोपाल



- जनजातीय गौरव सप्ताह अंतर्गत ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, 357.71 करोड़ के 82 विकास कार्यों की दी सौगात

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महान क्रांतिकारी और जननायक बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय नायकों ने देश की आजादी के लिए जनजातीय क्षेत्रों में अलख जगाई, लेकिन आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय महापुरुषों के योगदान को भुला दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को शहडोल जिले ब्यौहारी में आयोजित जनजातीय गौरव सप्ताह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जननायक बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने संघर्ष से तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। वे जल, जंगल और जमीन के लिए अपने कार्यों के आधार पर पूज्यनीय हो गए। उन्होंने कहा कि वीर नायक भगवान बिरसा मुंडा ने देश और समाज के लिए अपना बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देशभर में बिरसा मुंडा की जयंती राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। अब 15 नवंबर की तिथि राष्ट्रीय गौरव का दिन बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरणः इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण कर तथा आदि पूजा के साथ किया। उन्होंने शहडोल जिले को 357.71 करोड़ रुपये के 82 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 8.64 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 10 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 349.07 करोड़ रुपये लागत के 72 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में देश के 8 से 10 राज्यों से कोल समाज के भाई-बहन बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी से सिंगरौली तक फोर लेन सड़क बनाने, ब्यौहारी विधानसभा में 10 करोड़ रूपये लागत से 18 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क बनाने, हनुमान मंदिर तक सुगम आवागमन के लिए 13 करोड़ लागत से बनने वाली सड़क को मंजूर करने, मऊ से चरखारी तक नई सड़क बनाने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने शहडोल में डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडिटोरियम बनाने, संजय टाइगर रिजर्व के लिए नया प्रवेश द्वार बनाने, हाथियों के सर्वेक्षण के लिए विशेष टीम शहडोल भेजने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि शहडोल में नये इंडस्ट्रियल पार्क का जल्द ही भूमि-पूजन होगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने अब तक 85 हजार पदों पर भर्ती की है, आगे भी 2 लाख नए पदों पर नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी और विजय हासिल की। उन्होंने देश-धर्म के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया। अपना देश, अपना राज का उद्घोष करने वाले बिरसा मुंडा जनजातीय अस्मिता के महानायक थे। जननायक वीर बुदु भगत और मदारा महतो ने 1831 और 1832 में अद्वितीय लड़ाई लड़ी। उन्हें भी जनजातीय सप्ताह के कार्यक्रम में स्मरण कर रहे हैं। राज्य सरकार ने वीरांगना रानी दुर्गावती का स्मरण कर जबलपुर से इस सप्ताह का शुभारंभ किया था। इसके बाद धार में लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की सौगात दी गई। पिछले दिनों जनजातीय क्षेत्रों में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए लगभग 4000 करोड़ रुपए की सौगात मिली है।

अलवर में शुरू हुआ 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल

एजेंसी, अलवर



- 10 लाख से अधिक के विकास कार्यो की होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

जिले में विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल की है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिला प्रशासन के नवाचार 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल का प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। इस वेब पोर्टल के माध्यम से जिले में 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले विकास एवं इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सकेगी। साथ ही आमजन भी विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन की इस पहल के तहत सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा 'अलवर संपदा' वेब पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर जिले के सभी विभागों को 10 लाख रुपये से अधिक लागत वाले बजट घोषणाओं एवं अन्य विकास कार्यों का विवरण दर्ज करना होगा। इससे विकास कार्यों की नियमित निगरानी के साथ उनकी समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। पोर्टल के माध्यम से प्रशासन को कार्यों की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलेगी, वहीं आमजन भी विकास कार्यों की रियल टाइम प्रगति देख सकेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की एसीपी नीतू बसवाल ने अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को पोर्टल के संचालन और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर प्रत्येक विकास कार्य से संबंधित कार्य का नाम, स्थान, संबंधित विभाग, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति की तिथि, कार्यादेश जारी होने की तिथि, कार्य पूर्ण होने की अनुमानित तिथि, संबंधित विभागीय अधिकारी का नाम, ठेकेदार का नाम, कार्यादेश राशि और कार्यकारी एजेंसी सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दर्ज करनी होंगी। इन जानकारियों के आधार पर प्रशासन विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रख सकेगा और कार्यों में होने वाली देरी एवं अन्य समस्याओं की पहचान कर सकेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह, डीओआईटी की एसीपी नीतू बसवाल, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश गुप्ता, जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता जे.पी. बैरवा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अधीनस्थ कार्मिक उपस्थित रहे। 'अलवर संपदा' पोर्टल को जिले में विकास कार्यों की निगरानी, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए। 'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

चीन के इलेक्ट्रिक विमान सीई-25ए ने भरी पहली सफल उड़ान

बीजिंग। चीन ने इलेक्ट्रिक एविएशन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। चीन के सरकारी विमान निर्माता कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन ऑफ चाइना द्वारा विकसित इलेक्ट्रिक विमान सीई-25ए ने पहली बार पायलटों के साथ सफल परीक्षण उड़ान भरी है। शानदोंग प्रांत के बिनझोउ में हुए इस परीक्षण को भविष्य की ग्रीन एविएशन तकनीक की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। खास बात यह है कि यह विमान बिना पायलट के भी स्वायत्त रूप से उड़ान भरने में सक्षम है। 14 नवंबर को हुए इस परीक्षण के दौरान विमान में दो पायलट और एक फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर मौजूद थे। परीक्षण का पूरा सत्र करीब 57 मिनट 46 सेकंड तक चला, जिसमें विमान ने 16 मिनट से अधिक समय तक हवा में उड़ान भरी और लगभग 60.4 किलोमीटर की दूरी तय की। इंजीनियरों के अनुसार, परीक्षण के दौरान विमान के सभी सिस्टम सामान्य तरीके से काम करते रहे और कोई असामान्य स्थिति सामने नहीं आई। इस सफल उड़ान से पहले, सीई-25ए ने बिना पायलट के 19 परीक्षण उड़ानें पूरी की थीं, जिसकी पहली स्वायत्त उड़ान 2 फरवरी को हुई थी। इन परीक्षणों के जरिए विमान की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा प्रणालियों का गहन आकलन किया गया। सीई-25ए चीन का पहला इलेक्ट्रिक कमर्शियल विमान है, जिसे शहरों के बीच हवाई यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी अधिकतम टेकऑफ क्षमता 10 टन है और इसमें एक बार में 19 यात्री सफर कर सकते हैं। विमान की क्रूज स्पीड 300 किलोमीटर प्रति घंटा और अधिकतम क्रूज ऊंचाई 2,400 मीटर बताई गई है, जबकि यह एक बार में लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। इसमें इलेक्ट्रिक प्रोपेलर लगाए गए हैं। वहीं, एक अन्य घटनाक्रम में, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान को लेकर अपने देश का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि ताइवान की आजादी के लिए कोई गुंजाइश नहीं है और चीन का पूर्ण एकीकरण होकर रहेगा।



तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन और पत्नी डेजी मार्टिन ने 14 साल बाद अलग होने का लिया फैसला

चेन्नई। तमिलनाडु के लोक निर्माण एवं खेल मंत्री आधव अर्जुन और उनकी पत्नी डेजी मार्टिन ने 14 साल के वैवाहिक जीवन के बाद अलग होने का फैसला किया है। दोनों ने आपसी सहमति से अपने वैवाहिक संबंध समाप्त कर अलग-अलग रास्तों पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। डेजी मार्टिन ने सोमवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। डेजी ने अपने बयान में पिछले 14 वर्षों के साझा जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान दोनों ने मित्र, जीवनसाथी और माता-पिता के रूप में कई महत्वपूर्ण पड़ाव साथ तय किए। आपसी प्रेम और समझ के साथ बिताए इन वर्षों के बाद अब दोनों ने सहमति से अलग होने का निर्णय लिया है। डेजी मार्टिन ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक संबंध समाप्त होने के बावजूद बच्चों के प्रति दोनों की जिम्मेदारियां पहले की तरह बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की खुशी, बेहतर परवरिश और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए दोनों मिलकर काम करते रहेंगे। बच्चों का पालन-पोषण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। डेजी ने आधव अर्जुन के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि उनके मन में आधव अर्जुन के प्रति हमेशा सम्मान बना रहेगा और वह उनके भविष्य के लिए शांति एवं सफलता की कामना करती हैं। डेजी मार्टिन ने जीवन के इस निजी बदलाव के दौरान मीडिया और आम लोगों से संवेदनशीलता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस फैसले के मद्देनजर उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि आधव अर्जुन तमिलनाडु के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं।

डॉ नीरजा अस्थाना बनीं कायस्थ सेना कल्याण परिवार बरेली की महिला जिलाध्यक्ष



बरेली । डॉ नीरजा अस्थाना को कायस्थ सेना कल्याण परिवार ने बरेली का महिला जिलाध्यक्ष बनाया है डॉ नीरजा बरेली कॉलेज में सैन्य स्टडी की विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष आलोक प्रधान एवं प्रदेश संरक्षक संजीव कुमार सक्सेना की संस्तुति पर हुई है उनसे जल्द अपनी कमेटी बनाने के लिए कहा गया है।

डॉ नीरजा के जिलाध्यक्ष बनने पर प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉ अरुण कुमार, संजीव कुमार सक्सेना, आलोक सक्सेना, आलोक कुमार, श्यामदीप सक्सेना, मनोज सक्सेना गोपाल धूप वाले, डॉ सुबोध अस्थाना, रवि सक्सेना अवधपुरी, अमित सक्सेना मिट्ठू, आशीष सक्सेना, श्वेतांक अस्थाना ने बधाई दी है।

प्रदेश के 24,141 अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय के लिए 41 करोड़ से रुपये से अधिक आवंटित

एजेंसी, लखनऊ



- कला शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा कार्यानुभव शिक्षा के अनुदेशकों को मिलेगा समयबद्ध मानदेय

योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ शिक्षण कार्य में योगदान दे रहे अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय भुगतान को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों के नवंबर माह के मानदेय के लिए 41 करोड़ 3 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि का आवंटन किया गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कार्यरत कुल 24,141 अंशकालिक अनुदेशकों को मानदेय भुगतान किया जाएगा।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। आवंटित धनराशि का उपयोग निर्धारित वित्तीय नियमों एवं शर्तों के अनुसार करते हुए संबंधित अनुदेशकों को मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया है।

तीन श्रेणियों के 24,141 अनुदेशकों को मिलेगा मानदेयः प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें कला शिक्षा के 8,414, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के 9,574 तथा कार्यानुभव शिक्षा के 6,153 अनुदेशक शामिल हैं। इस प्रकार तीनों श्रेणियों में कुल 24,141 अनुदेशकों के नवंबर माह के मानदेय के लिए बजट निर्धारित किया गया है।

जनपदवार निर्धारित किया गया बजटः जारी विवरण में सभी 75 जनपदों- कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों की श्रेणीवार संख्या और उनके नवंबर माह के मानदेय के लिए निर्धारित धनराशि का उल्लेख किया गया है। इसमें आगरा, अलीगढ़, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गोरखपुर, कानपुर नगर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी सहित सभी जनपद शामिल हैं। जनपदवार कार्यरत अनुदेशकों की संख्या के आधार पर मानदेय की धनराशि निर्धारित की गई है।

वित्तीय नियमों के अनुरूप होगा भुगतानः आवंटित धनराशि का व्यय वित्तीय नियमों तथा 'फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड प्रोक्योरमेंट 2024' के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। संबंधित बिल एवं वाउचर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सुरक्षित रखे जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त विवरण और अभिलेख निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने होंगे। जिस मद में धनराशि आवंटित की गई है, उसी मद में उसका उपयोग किया जाएगा। धनराशि का किसी अन्य मद में स्थानांतरण अथवा निर्धारित आवंटन से अधिक व्यय अनुमन्य नहीं होगा। निर्देशों के अनुसार किसी भी स्थिति में दोहरे भुगतान की अनुमति नहीं होगी। यदि ऐसा मामला सामने आता है तो संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी इसकी जिम्मेदारी वहन करेंगे।

मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार सब स्टेशन से जनरेटिंग यूनिट का हुआ सिंक्रोनाइजेशन

एजेंसी, भोपाल



- 132 केवी सब स्टेशन गोपालगंज और पेंच हाइडल पॉवर हाउस की यूनिट-2 के बीच ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न

मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन से जनरेटिंग यूनिट को नेशनल ग्रिड की फ्रीक्वेंसी के अनुरूप सिंक्रोनाइज किया गया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश की विद्युत पारेषण प्रणाली की आपातकालीन तैयारियों और ग्रिड की पुनर्बहाली क्षमता का परीक्षण करने के लिए मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 132 केवी सब स्टेशन गोपालगंज (सिवनी) टी बी सी बी एवं पेंच हाइडल पावर हाउस की यूनिट-2 के समन्वय से ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया। यह मध्य प्रदेश क्षेत्र में भी अपनी तरह का पहला प्रयोग है। एमपी स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता ने बताया कि इस मॉकड्रिल के माध्यम से ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षित एवं क्रमबद्ध तरीके से पुनर्बहाली की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। अभ्यास के दौरान ग्रिड आइलैंडिंग, सिंक्रोनाइजेशन तथा वोल्टेज एवं फ्रीक्वेंसी नियंत्रण से जुड़ी तकनीकी प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

ऐसी हुई प्रक्रियाः मुख्य अभियंता गुप्ता के अनुसार, सामान्यतः ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल में जनरेटर छोर से ही सिस्टम को सिंक्रोनाइज कर संबंधित सब स्टेशन में विद्युत आपूर्ति बहाल की जाती है, लेकिन इस बार एमपी ट्रांसको ने सब स्टेशन छोर से ही जनरेटिंग यूनिट को सिंक्रोनाइज करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रक्रिया के तहत पहले पेंच हाइडल पावर हाउस की यूनिट-2 को आइलैंडिंग किया गया। इसके बाद पूरी कार्ययोजना के अनुसार गोपालगंज सब स्टेशन में स्थापित बे कंट्रोल यूनिट के इंटरनल फीचर की सहायता से पेंच हाइडल यूनिट-2 की बस तक विद्युत आपूर्ति पहुंचाई गई। इसके पश्चात जनरेटिंग यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में सब स्टेशन स्तर से विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने और जनरेटिंग यूनिट को सिंक्रोनाइज करने की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन हुआ।मुख्य अभियंता ने बताया कि ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल एक तकनीकी अभ्यास है, जिसमें यह परीक्षण किया जाता है कि यदि किसी कारणवश पूरा ग्रिड फेल हो जाए, तो बाहरी विद्युत आपूर्ति के बिना पावर हाउस को किस प्रकार चालू किया जा सकता है और चरणबद्ध तरीके से विद्युत प्रणाली को पुनः कैसे बहाल किया जा सकता है। इस अभ्यास से आपातकालीन परिस्थितियों में ग्रिड की पुनर्बहाली के लिए अपनाई जाने वाली तकनीकी प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जांच होती है। गुप्ता ने बताया कि मॉकड्रिल के दौरान 33 केवी के तीन फीडरों पर लगभग एक घंटे तक अस्थायी रूप से विद्युत व्यवधान रहा।

मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का विमोचन किया

एजेंसी, धर्मशाला



मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को धर्मशाला में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के विभिन्न पहलुओं का संवेदनशील एवं सारगर्भित वर्णन है। उनके जीवन के संघर्षों और दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण जीवन यात्रा को दर्शाया गया है। सुक्खू ने कहा कि इस पुस्तक में वर्णित किया गया है कि किस प्रकार सोनिया गांधी ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच स्वयं को ढाला और साहस, धैर्य एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न कठिनाइयों पर जीत हासिल की। उनका जीवन संघर्ष, आत्मबल, मजबूत व्यक्तित्व और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक पाठकों को सोनिया गांधी के व्यक्तिगत अनुभवों और उनकी जीवन यात्रा को समझने का अवसर प्रदान करती है। यह कठिन परिस्थितियों का साहस और धैर्य के साथ सामना करने की महत्वपूर्ण सीख भी देती है। उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन के अनुभवों, संघर्षों और उनसे मिलने वाली सीख को समझना व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की हिमाचल प्रदेश कांग्रेस मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल, सह-प्रभारी विदित चौधरी एवं चेतन चौहान, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायकगण तथा अन्य गणमान्य थे।

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में गिरावट, छेड़छाड़ के मामले 63 प्रतिशत घटे

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में पिछले एक दशक के दौरान उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2016 से 2025 के बीच छेड़छाड़ के मामलों में 63 प्रतिशत, महिला की लज्जा भंग करने के मामलों में 59 प्रतिशत और दुष्कर्म एवं बाल यौन अपराधों के मामलों में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रयासों के साथ अपराधों की जांच और अभियोजन में तेजी लाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2016 में महिला की लज्जा भंग करने के 4,165 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में घटकर 1,708 रह गए। इसी अवधि में दुष्कर्म और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के और छेड़छाड़ के मामले 918 से कम होकर 337 रह गए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 24 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में महिलाओं की सुरक्षा के लिए तीन महीने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, आपातकालीन सहायता और अपराधों की जांच एवं सुनवाई में तेजी लाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। सार्वजनिक पार्कों और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा के लिए छह हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा

सेंट्रल सेक्रेटेरियट लाइब्रेरी की किताबों की शिफ्टिंग पर रोक, केंद्र को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली



उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरियट लाइब्रेरी (सीएसएल) की किताबों को शिफ्ट करने के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई और अगली सुनवाई तक किताबों को स्थानांतरित करने पर रोक लगा दी। उच्चतम न्यायालय ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत शास्त्री भवन स्थित इस ऐतिहासिक पुस्तकालय की 8.5 लाख से अधिक किताबों के लिए उचित इंतजाम नहीं किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पी.वी. संजय कुमार की बेंच ने किताबों के रखरखाव में लापरवाही पर कहा कि सरकार किताबों के प्रति थोड़ा सम्मान दिखाये। न्यायालय ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार को इन ऐतिहासिक किताबों की जरूरत नहीं है तो इन्हें किसी ऐसे दूसरे देश को दे दिया जाए, जो इनकी कद्र और देखभाल कर सके।

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय को भरोसा दिलाया कि अगली सुनवाई तक किताबों को कहीं और शिफ्ट कर दिया जाएगा, जिसे न्यायालय ने रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई की तारीख मुकर्रर कर दी।

सुनवाई के दौरान करीब 2 लाख किताबों को अव्यवस्थित और खराब स्थिति में रखे जाने का मुद्दा भी उठा। सरकारी पक्ष ने दावा किया कि आरके पुरम में रखी किताबें तुलसी सदन पुस्तकालय से आई हैं, जिस पर न्यायालय ने एमिकस क्यूरी हरिप्रिया पद्मनाभन को किताबों पर लगे टैग की जांच करने का निर्देश दिया।

यह पुस्तकालय वर्तमान में शास्त्री भवन में स्थित है, जिसे नई सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत ध्वस्त किया जाना प्रस्तावित है। 29 सितंबर को छपी एक मीडिया रिपोर्ट में 1702 तक पुरानी इस विरासत के लिए नई योजना में उचित जगह न होने की बात सामने आने के बाद उच्चतम न्यायालय ने 4 अक्टूबर को इस पर स्वतः संज्ञान लिया था।

17-11-2026 T.P. Page 8_Layout 1 17-11-2026 09:29 Page 1



कहीं घूमने का है प्लान, पर करनी है घर की सफाई? जानें फास्ट होम क्लीनिंग आइडिया

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। ऐसे में कहीं घर को बुरी हालत में छोड़कर बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर आपके साथ भी हर वीकेंड पर कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहती है, तो यहां से फास्ट होम क्लीनिंग का आइडिया ले सकते हैं।

संडे को सफाई और घूमने के बीच बैलेंस बनाना काफी मुश्किल होता है, लेकिन जल्दी-जल्दी क्लीनिंग करके आप समय से काम निपटा सकती हैं। साथ ही, अपने घूमने की प्लानिंग को भी सफल बना सकती हैं।, क्योंकि गंदगी और अव्यवस्था से मन अशांत रहता है। पूरे सप्ताह के बिजी शेड्युल में घर की साफ-सफाई कई दफा नजरंदाज हो जाती है और वीकेंड्स पर ही अच्छी तरह सफाई करने का मौका मिलता है। ऐसे में, घर को बिखरा हुआ छोड़कर कहीं बाहर घूमने जाने का मन नहीं करता है। अगर इस संडे आपका भी कहीं घूमने का प्लान है, लेकिन घर की सफाई बाकी है तो आप इन टिप्स को फॉलो करके आप घर की सफाई को जल्दी से निपटाकर अपने घूमने के प्लान को आराम से एंजॉय कर सकती हैं।

डेली डिक्लटरिंग से शुरुआत करें

सबसे पहले घर के उन हिस्सों को साफ करें, जो सबसे ज्यादा बिखरे हुए हैं।बेडरूम, लिविंग रूम और किचन से फालतू सामान हटाएं। डस्टबिन और वेस्ट बास्केट में गैरजरूरी चीजें डाल दें।

10 मिनट रूल अपनाएं

हर कमरे की सफाई के लिए सिर्फ 10 मिनट दें।वाइप करें, झाड़ू लगाएं और चीजों को सही जगह रखें। सफाई का सामान तैयार रखें। किचन क्लीनर, डस्टिंग क्लॉथ, वाइपर, ग्लास क्लीनर जैसी चीजें पहले ही निकालकर रखें। इससे बार-बार चीजें ढूंढने में समय नहीं लगेगा।

स्पॉट क्लीनिंग परदें ध्यान

पूरे घर की सफाई करने की बजाय, सिर्फ गंदे हिस्सों पर फोकस करें।फर्श, टेबल, डोर हैंडल और मिरर जैसी चीजें जल्दी साफ करें। सफाई करते समय वॉशिंग मशीन में कपड़े डाल दें और बर्तन धोने का काम भी साथ में करें। इससे समय की बचत होगी।

फर्श की सफाई स्मार्ट तरीके से करें

वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें या झाड़ू और पोछा एक साथ लगाएं।फर्श को एक बार वाइप कर दें ताकि धूल और गंदगी हट जाए।सफाई के बाद घर में फ्रेशनर का इस्तेमाल करें। इससे सफाई का असर और बेहतर लगेगा।

परिवार की मदद लें

सभी को एक-एक काम सौंपें, जैसे कोई झाड़ू लगाए, तो कोई धूल साफ करे।टीमवर्क से काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा।गहराई से सफाई करने के बजाय सिर्फ बेसिक क्लीनिंग पर फोकस करें। डीप क्लीनिंग के लिए किसी और दिन का चयन करें।



बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए अपनाएं ये तरीके

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि बच्चों को खेलना कितना पसंद आता है। अमूमन हम सभी बच्चों के खिलौनों और प्ले एरिया को क्लीन जरूर करते हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उसे डिसइंफेक्ट करना बेहद जरूरी है। दरअसल, इन सभी खिलौनों व प्ले एरिया पर बच्चे की चिपचिपी उंगलियों से लेकर फूड पार्टिकल्स तक रह जाते हैं, जिससे वहां पर बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। ऐसे में बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करना आपको एक टफ टास्क लग सकता होगा। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो बेहद ही आसान तरीके से बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट कर सकती हैं। फिर चाहे वह बच्चे के खिलौने हों या फिर उनकी खेलने की छोटी सी मेज, इन सबको डिसइंफेक्ट करने का बेहद ही आसान तरीका है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के प्ले एरिया को किस तरह डिसइंफेक्ट किया जाए-

पहले करें डिक्लटर

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिइंफेक्ट करने की होती है तो इसकी शुरुआत हमेशा डिक्लटर करने से करें। आप बच्चे के सभी खिलौनों, किताबों और इधर-उधर पड़ी चीज़ों को हटाना शुरू करें। इससे प्ले एरिया को क्लीन करना अधिक आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि कोई छिपा हुआ कोना सफाई से छूट नहीं गया है।

बच्चों के लिए सुरक्षित डिसइंफेक्टेंट का करें इस्तेमाल

जब बात बच्चों के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने की हो तो आपको प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल थोड़ा समझदारी से करना चाहिए। ध्यान दें कि डिसइंफेक्टेंट किड्स सेफ हो। अगर आप चाहें तो एक भाग सफेद सिरका और 1 भाग पानी से घोल भी बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप डिसइंफेक्टेंट की मदद से बच्चे के खेलने की टेबल, कुर्सियां आदि को साफ करें। उन एरिया पर खासतौर से ध्यान दें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है - जैसे कि खेलने की मेज या हैंडल के किनारे आदि।

खिलौनों को इस तरह करें साफ

बच्चे के खिलौनों को साफ करने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। मसलन, प्लास्टिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों को आप गर्म साबुन के पानी की बाल्टी में डालकर धोएं और हवा में सुखाएं। वहीं, सॉफ्ट टॉयज को ज़्यादातर को वॉशिंग मशीन में डालकर क्लीन करें। अगर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं तो उसे नम कपड़े और डिसइंफेक्टेंट की मदद से पोंछें। ध्यान रहे कि आप उन्हें गीला न करें।

मैट और दीवारों की भी करें सफाई

यदि आपके बच्चे फोम या रबर प्ले मैट पर खेलते हैं, तो उन्हें भी डिसइंफेक्टेंट की मदद से क्लीन करें। खासतौर से, उन जगहों पर ज्यादा ध्यान दें, जहां पर गंदगी छिपी रहती है। इसी तरह, दीवारों, लाइट स्विच और आस-पास की खिड़कियों को डिसइंफेक्टेंट वाइप्स या माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछें।

वेंटिलेशन का भी रखें ध्यान

बच्चे के प्ले एरिया को डिसइंफेक्ट करने के लिए उसे सिर्फ साफ करना ही काफी नहीं है, बल्कि आपको वेंटिलेशन का भी उतना ही ख्याल रखना चाहिए। एक बार जब आप प्ले एरिया को क्लीन व डिसइंफेक्ट कर लेते हैं तो उसे थोड़ी देर के लिए हवादार होने दें। इससे क्लीनिंग सॉल्यूशन जल्दी सूख जाते हैं और यह सुनिश्चित होता है कि कोई गंध नहीं रह जाती है।



बच्चों को बाहर घूमने या खेलने के लिए भेजने से पहले सिखाएं ये जरूरी सेफ्टी टिप्स

इस बात में कोई संदेह नहीं कि बच्चों को बाहर खेलने के लिए भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर आप भी अपने बच्चों को खेलने के लिए बाहर भेज रही हैं, तो कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों की अनदेखी करना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अतिरिक्त भी सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

बहुत दूर न हो खेलने की जगह

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों के खेलने की जगह घर से बहुत दूर नहीं होनी चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे ऐसी जगह खेलें, जहां से आप उन पर नजर रख सकें। बच्चे किन अन्य बच्चों के साथ खेलने जा रहे हैं, इसका भी पता रखें। बेहतर होगा कि बारी-बारी से किसी एक बच्चे के घर से कोई बड़ा भी उनके आसपास रहे।

मौसम का रखें ध्यान

सुरक्षा की बात करें, तो सबसे पहले आता है मौसम का ध्यान रखना। बच्चों को यह समझाकर रखें कि किस तरह के मौसम में बाहर नहीं जाना है और अगर पहले से बाहर खेलने के लिए निकले हैं, तो उन्हें तुरंत घर लौट आना है। जैसे, उन्हें बताकर रखें कि अगर घटाएं घिरने लगें और बारिश के आसार हों, तो तुरंत घर आ जाएं। बारिश में भीगना नुकसान कर सकता है। साथ ही बारिश में फिसलन के कारण खेलने पर चोट भी लग सकती है।

कीट-पतंगों का ध्यान रखें

बच्चे अगर पार्क में खेलते हैं तो वहां घास और पेड़-पौधों के कारण कीट-पतंगों का खतरा रहता है। इसलिए बच्चों को बग स्प्रे लगाकर भेजें। शाम के समय मच्छरों का प्रकोप बहुत होता है। इसलिए उनसे बचाव बहुत ज्यादा जरूरी है। साथ ही बच्चों को समझा दें कि ऐसी जगह नहीं जाना है, जहां घास बड़ी हो। वहां खतरनाक कीटों का खतरा ज्यादा रहता है।

आसपास रखें नजर

बच्चों को समझाएं कि उन्हें अपने आसपास की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहना चाहिए। अगर कुछ अप्रत्याशित या अजीब लगे, तो तुरंत घर लौट आएं और बड़ों को बताएं। इसके अलावा उन्हें हमेशा ध्यान दिलाएं कि किसी भी अजनबी से बात नहीं करनी है। अजनबी के हाथ से कुछ खाना नहीं है। अजनबी से घुलना-मिलना घातक हो सकता है। अक्सर आपराधिक मानसिकता के लोग इसका लाभ उठाते हैं।

बाहर कुछ न खाएं

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि उन्हें यह समझाकर भेजें कि बाहर की चीजें नहीं खानी हैं। और सबसे खास बात, किसी भी पार्क आदि जैसी जगहों पर पेड़ों पर लगे अनजान किस्म के फलों को कतई न खाएं। साथ ही उन्हें इस बात की सख्त हिदायत दें कि उन्हें अपने साथ के बच्चों के संग ही रहना है। अकेले इधर-उधर न जाएं।



इंस्टाग्राम पर कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं देख रहा उल्टे-सीधे कंटेंट? ऐसे छुड़ाएं आदत

सोशल मीडिया वैसे तो दुनिया में चल रही चीजों से अप टू डेटेड रहने के लिए बड़ा काम का प्लेटफॉर्म है, लेकिन इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप इंस्टाग्राम पर घंटों रील्स देख कर अपना समय बर्बाद करें। अक्सर ऐसा बच्चे और टीनएजर्स कर रहे हैं, जिस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

कई बार ऐसा होता है कि रील्स स्क्रॉल करते हुए सामने कोई ऐसा कंटेंट आ जाते हैं, जो कि उन्हें नहीं देखना चाहिए। आज के समय में, टीनेज बच्चों को हैंडल करना माता-पिता के लिए काफी चैलेंजिंग हो गया है। खास कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मामले में बच्चे को बच्चे को समझाना और उन्हें इससे दूर रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। क्योंकि इस उम्र में उनकी फीडम और प्राइवेसी दोनों ही अहम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में उनकी आदतों में सुधार कैसे लाया जाए, आइए इस बारे में हम आपको बताते हैं।

बच्चों को ब्रेक लेने के लिए समझाएं

इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल करते समय, बच्चे अक्सर अपना बहुत सारा समय बर्बाद कर देते हैं। इससे उन्हें दूर रखने के लिए आप बच्चे को ब्रेक लेने के लिए कह सकते हैं। समय के महत्व को बताएं और उन्हें मोबाइल से ब्रेक लेकर खेल-कूद पर थोड़ा ध्यान देने पर फोकस करवाएं। अगर आपका टीनएजर इंस्टाग्राम पर घंटों समय बर्बाद कर रहा है, तो यह फीचर उन्हें एक टाइम बाद ब्रेक लेने की याद दिलाएगा। अक्सर बच्चे पढ़ते-पढ़ते भी बीच में मोबाइल उठा लेते हैं, तो यह फीचर बच्चों को रीसेट और रीफोकस करने में मदद कर सकता है। इसमें यूजर को यह मैसेज मिलता है कि उन्होंने अपनी डेली लिमिट का स्क्रीन टाइम इस्तेमाल कर लिया है।

क्वाइट मोड

इंस्टाग्राम का क्वाइट मोड सीमाएं तय करने के मामले में एक बेहतरीन फीचर है। इससे आपके बच्चे की लगातार स्क्रीन देखने की आदत में सुधार आ सकती है। यह फीचर 12 घंटे तक के लिए नोटिफिकेशन म्यूट करने में मदद करता है, जिससे बच्चे इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने की जगह पढ़ाई में अपना समय बिता सकते हैं। इसका ऑटो-रिप्लाई फीचर डीएम करने की कोशिश कर रहे लोगों को संदेश भेजता है कि पर्सन अभी क्वाइट मोड में है और उपलब्ध नहीं है।

नाइट नज

मोबाइल देखने की लत से रात की नींद की क्वालिटी को बहुत ज्यादा प्रभावित होती है। ऐसे में बच्चों को इंस्टाग्राम से दूर रखने के लिए इसका नाइट नज टूल भी है, जो आपकी इस परेशानी का हल आसानी से कर सकता है। इस फीचर के तहत यूजर को याद दिलाते हुए एक रिमाइंडर मैसेज भेजा जाता है कि रात हो रही है और सोने की तैयारी कर लेनी चाहिए। अगर आपका बच्चा रात 10.00 बजे से सुबह 7.00 बजे के बीच 10 मिनट से अधिक समय तक इंस्टाग्राम का उपयोग करता है, तो यह फीचर हर 10 मिनट में एक फ्रेंडली रिमाइंडर भेजता है।

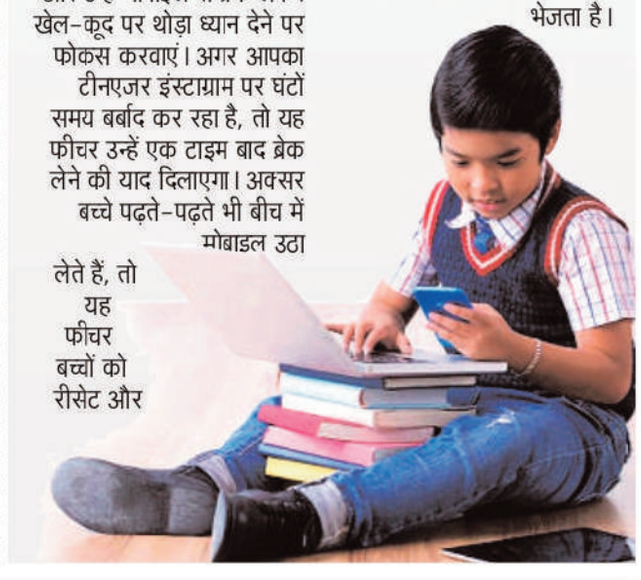



होम गार्डनिंग शुरू करने के 5 आसान टिप्स

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीजों को उगा सकती हैं।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

सही मिट्टी का चयन करें

पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं।

पौधे को समय पर पानी दें

पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फ़ॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।